RNI N.- BIHBIL/2022/88070

राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र

www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः172, सोमवार, 30 जून 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

आदर्श थाना हरसिद्धि पूर्वी चम्पारण मो. 9431822884

हरसिद्धि पुलिस थाना की गाड़ी से फरार हुआ नामजद अभियुक्त 03

दरभंगा-मुंबई रूट पर अकासा एयर की नई उड़ान पहली जुलाई से 04

ये मेरी आवाज नहीं, ऑनलाइन सेफ रहें : प्रियंका चोपड़ा 07

मुस्लमानों के खिलाफ साजिश हो रही है, हम लोग मुस्लिम समाज की लड़ाई लड़ते रहेंगे : तेजस्वी यादव

एजेंसी, पटना

पटना के गांधी मैदान में रविवार को "वक्फ बचाओ-दस्तूर बचाओ" कांफ्रेंस का आयोजन किया गया, जिसे संबोधित करते हुए बिहार विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता आंदोलन में सभी समाज के पूर्वजों ने कुर्बानी दी है। लेकिन आज साजिश के तहत मुस्लिम समाज के लोगों को परेशान किया जा रहा है। जबतक हमारे नेता लालू प्रसाद यादव मुस्लिम समाज के साथ हैं,अंतिम सांस तक हम लोग उनकी लड़ाई लड़ते रहेंगे।

नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि देश को तोड़ने की कोशिश की जा रही है, लेकिन हम लोग एक हैं। बिहार में किसी भी कीमत पर पूरब से पश्चिम और उत्तर से दक्षिण नहीं होने दिया जाएगा।

हिंदुस्तान की सरजमीं का एक-एक इंच, हर पत्ता चीख-चीखकर इस बात की गवाही देता है कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम की लड़ाई में चाहे हिंदू हो या मुसलमान, सिख हो या ईसाई सभी ने इस देश की आजादी के लिए कुर्बानी देने का काम किया है। ये हम सबों का देश है।

तेजस्वी यादव ने कहा कि चुनाव आयोग की तरफ से विशेष पुनरीक्षण के नाम पर साजिश रची जा रही है, लेकिन हम लोग मिलकर लड़ेंगे और जीतेंगे। अब भारतीय जनता पार्टी सत्ता से जाने वाली है, तो गरीब, पिछड़ा, अति पिछड़ा और दलित लोगों से मतदान के अधिकार को छीना जा रहा है। मतदाता सूची में संशोधन के नाम पर आपके वोट के अधिकार को छीनने का प्रयास किया जा रहा है। ये बहुत बड़ी साजिश है, इसलिए आप लोग सचेत रहियेगा और ऐसा होने मत दीजिएगा। उल्लेखनीय है कि वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ मुस्लिम संगठनों का पटना के गांधी मैदान में बड़ा जुटान हुआ है। इमारत-ए-शरिया फुलवारी शरीफ की ओर से इसका आयोजन किया गया। सभी प्रमुख दलों को आमंत्रण भेजा गया था। राजद, कांग्रेस और जदयू के बड़े नेताओं को बुलाया गया था।

वक्फ और संविधान दोनों को बचना जरुरी : सलमान खुर्शीद

एजेंसी, पटना

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व विदेश मंत्री सलमान खुर्शीद रविवार को पटना पहुंचे। यहां पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि वक्फ और संविधान दोनों को बचना जरुरी है। हमारे देश की सांप्रदायिक सद्भावना और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए यह आवश्यक है। उन्होंने कहा कि वे आज वक्फ कानून के विरोध में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने आए हैं। सलमान खुर्शीद ने बिहार में चल रहे मतदाता सूची पुनरीक्षण पर भी सवाल खड़ा किया। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर सभी राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी चिंताएं जाहिर की हैं। निश्चित तौर पर इसे गंभीरता से देखा जाना चाहिए, क्योंकि मतदाता सूची में अनियमितताएं लोकतांत्रिक प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि देश आज एक ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहां हमें यह देखना जरूरी है कि हम कहां हैं और किस दिशा में जा रहे हैं? उन्होंने कहा कि हम झगड़ते और लड़ते हुए पीछे हट रहे हैं। सलमान खुर्शीद ने कहा कि सभी वर्गों और समुदायों के अधिकारों की सुरक्षा जरूरी है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि राजनीतिक दलों को एकजुट होकर देश के संवैधानिक मूल्यों की रक्षा करनी चाहिए, ताकि भारत विकास के पथ पर निरंतर आगे बढ़ता रहे।

संक्षिप्त समाचार

फारबिसगंज बाजार समिति के दुकानों में लगी आग,घंटों मशक्कत बाद पाया गया काबू

अररिया : फारबिसगंज के विघटित कृषि उत्पादन बाजार समिति के दुकानों में शनिवार देर रात अचानक आग लगने से कई दुकान जलकर राख हो गए। बाजार समिति परिसर स्थित मसाला और फल की दुकानों में भीषण अगलगी की घटना घटित हुई।आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जाता है।आगजनी में दो दुकानें जलकर राख हो गई। हलदर दास पिताः उमेश दास की मसाला दुकान और टुनटुन भगत की दुकान और बंटी चौधरी फल और संबंधित सामग्री बिक्री वाली दुकान में आग लगी।

ब्राउन शुगर के साथ एक युवक गिरफ्तार

पूर्वी सिंहभूम । उलीडीह थाना क्षेत्र के शंकोसाई रोड नंबर 5 स्थित जेपी स्कूल के पास पुलिस ने नशा कारोबारियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक युवक को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार किया है, जबकि उसके दो साथी फरार हो गए। शनिवार देर रात गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने इलाके में छापेमारी की। इस दौरान कालिकानगर शिव मंदिर के पास रहने वाला नवीन ठाकुर पकड़ा गया।

जमुई में ग्रामीणों ने किया पुलिस टीम पर हमला, पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त

पटना । जमुई जिले के लछुआड़ थाना क्षेत्र अन्तर्गत कोड़ासी गांव में वारंटी को पकड़ने गई पुलिस पर शनिवार देर रात ग्रामीणों ने हमला कर दिया। पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया, जिसके बाद गुस्साई भीड़ ने "चोर-चोर" के नारे लगाते हुए पुलिस टीम पर पत्थरों की बारिश कर दी। इस हिंसक हमले में कई पुलिसकर्मी बाल-बाल बचे, जबकि पुलिस वाहन के शीशे टूट गए और उसे बुरी तरह क्षतिग्रस्त कर दिया गया। पुलिस पर हमले का यह सिलसिला रविवार की सुबह भी देखने को मिला। सैकड़ों की संख्या में महिला-पुरुष और बच्चों ने लछुआड़ थाना का घेराव कर लिया। हिरासत में लिए गए नरेश कोड़ा (जिस पर शराब अधिनियम के तहत मामला दर्ज है) और लालकुमार को छुड़ाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने थाने को चारों ओर से घेर लिया।

उत्तराखंड: यमुनोत्री हाईवे पर सिलाई बैंड के पास फटा बादल, 8 से 9 मजदूर लापता

एजेंसी, उत्तरकाशी

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में शनिवार आधी रात यमुनोत्री क्षेत्र में सिलाई बैंड के पास बादल फटने से भारी नुकसान हुआ है। यहां 8-9 मजदूरों के लापता होने की सूचना है। मौके पर पुलिस, प्रशासन, एसडीआरएफ ने रेस्कक्यू शुरू कर दिया है। यमनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर पालीगाड से 4 किलोमीटर आगे सिलाई बैंड के पास रात करीब 3 बजे बादल फटने की घटना हुई है। जिसके बाद से 8-9 मजदूरों की लापता होने की सूचना है। साथ ही करीब 10 मीटर यमनोत्री हाइवे बह गया है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि सिलाई बैंड के पास एक होटल निर्माणाधीन है, जिसके मजदूर नजदीक कैंप में निवास कर रहे थे। कैंप में करीब 19 मजदूर थे, जिसमें 8-9 मजदूर लापता हैं। वहीं, भारी मलबा आने से सिलाई बैंड के पास करीब 10 मीटर नेशनल हाइवे का हिस्सा बह गया है। जिलाधिकारी प्रशांत आर्य ने बताया कि एसडीआरएफ, एनडीआरएफ, पुलिस की टीम मौके पर है और मजदूरों की तलाश जारी है। जिलाधिकारी आपदा परिचालन केंद्र से लगातार निगरानी कर रहे हैं। कुथनौर गांव में भी बादल फटने से ग्रामीणों की क्षति हुई है। हालांकि किसी प्रकार की कोई जन या पशुहानि की सूचना नहीं है। यमुना नदी के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। यमुना नदी के किनारे बसे लोगों को अलर्ट किया गया है। स्थानीय निवासी सामाजिक कार्यकर्ता महावीर सिंह पंवार ने बताया कि यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग पर जगह जगह बादल फटने से रोड 2 से 3 स्थानों पर पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई है। ओजरी के पास भी रोड पूरी तरह क्षतिग्रस्त है और खेतों में मलबा है, डबरकोट में भी मलबा आने से रोड बंद है, स्यानाचट्टी में भी कुपड़ा कुंशाला त्रिखिली मोटर पुल खतरे में आ गया है और स्यानाचट्टी में भी खतरे की स्थिति बनी हुई है। भारी बारिश से गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग नेताला बिशनपुर, लालढांग, नालूणा में भूस्खलन से बंद है। बारिश लगातार जारी है और सभी नदियां खतरें के निशान के पास बह रही हैं।

ओडिशा भगदड़ मामला: डीजीपी ने घटनास्थल का जायजा लिया, 3 श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि, जांच शुरू

एजेंसी, भुवनेश्वर । पुरी के गुंडीचा मंदिर के पास रविवार तड़के हुई भगदड़ की घटना के बाद ओडिशा के पुलिस महानिदेशक वाई. बी. खुरानिया ने मौके पर पहुंच कर स्थिति का जायजा लिया। हादसे में तीन श्रद्धालुओं की मौत हो गई, जबकि कई अन्य घायल हुए हैं। डीजीपी खुरानिया ने बताया कि हादसे की जांच शुरू कर दी गई है और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए त्वरित सुधारात्मक कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे दर्शन के दौरान पुलिस के निर्देशों का पालन करें और भीड़-भाड़ वाले क्षेत्रों में मोबाइल फोन से तस्वीरें लेने से बचें, क्योंकि इससे अव्यवस्था फैल सकती है। हम श्रद्धालुओं के लिए सुरक्षित और व्यवस्थित दर्शन सुनिश्चित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने श्रद्धालुओं से विभिन्न स्थानों पर पुलिस द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन का अनुरोध किया है। उधर, पुरी के जिलाधिकारी सिद्धार्थ शंकर स्वाईं ने तीन श्रद्धालुओं की मौत की पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि मृतकों के शवों का पोस्टमॉर्टम कराया जा रहा है। मेडिकल रिपोर्ट के अनुसार, छह लोग घायल हैं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सीवान में मुठभेड़ में पुलिस ने बदमाश के पैर में मारी गोली

व्यवसायी की हत्या का रच रहा था साजिश

एजेंसी, सीवान

टाउन थाना क्षेत्र के लक्ष्मीपुर में रविवार सुबह पुलिस ने एक बदमाश के पैर में गोली मार कर घायल कर दिया। इसके बाद उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल बदमाश का नाम सुनील कुमार सिंह है। उस पर शहर के एक व्यवसायी की हत्या की साजिश रचने का आरोप है। इसके अलावा भी कई आपराधिक मामलों में वह आरोपित है। पुलिस रविवार की सुबह सुनील को लेकर लक्ष्मीपुर इलाके में गई थी। जहां उसने पुलिस टीम पर हमला कर भागने की कोशिश की। दरअसल सीवान शहर के एमएम कॉलोनी के निवासी एक व्यवसायी ने टाउन थाना में आवेदन देकर अपनी हत्या की साजिश रचे जाने की शिकायत की थी। पुलिस ने मामले की जांच की तो सुनील कुमार सिंह का नाम सामने आया। जो पूर्व में भी आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त रहा है। इसके बाद शनिवार की रात पुलिस ने सुनील सिंह को गिरफ्तार कर लिया था। पूछताछ में उसने बताया कि हत्या के लिए इस्तेमाल होने वाला हथियार उसने लक्ष्मीपुर में छिपाकर रखा है। रविवार की सुबह पुलिस उसे लेकर हथियार बरामद करने गई थी। जहां वह पुलिस पर हमला कर भागने की कोशिश करने लगा। पुलिस का कहना है कि सुनील कुमार सिंह को लेकर लक्ष्मीपुर गई थी। जहां मौका मिलते ही उसने पुलिस टीम पर हमला कर भागने की कोशिश की। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी फायरिंग की। जिसमें उसके पैर में गोली लगी। गोली लगते ही वह मौके पर गिर पड़ा। जिसके बाद पुलिस ने उसे काबू में लिया और इलाज के लिए तुरंत सदर अस्पताल पहुंचाया। पहले से दर्ज हैं कई मुकदमेटाउन थाना के इंस्पेक्टर राजू कुमार ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि यह कार्रवाई व्यवसायी की शिकायत के आधार पर की गई थी। पुलिस उसे लेकर हथियार बरामद करने गई थी। तभी उसने पुलिस पर हमला किया। जवाबी कार्रवाई में उसे गोली लगी। पुलिस के मुताबिक सुनील सिंह पर पहले से भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।सदर अस्पताल में भर्ती बदमाश सुनील कुमार सिंह ने बताया कि उसके ऊपर नगर थाना में चोरी का केस दर्ज है।

शिबू सोरेन के स्वास्थ्य लाभ के लिए की भगवान शिव की पूजा

एजेंसी, पूर्वी सिंहभूम

राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना में पूरे राज्य भर में दुआएं की जा रही हैं। इसी क्रम में रविवार को झारखंड मुक्ति मोर्चा की जिला संयोजक मंडली की ओर से साकची के पुराना कोर्ट स्थित श्रीश्री चंद्रमोलेशबर कचहरी बाबा मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया। बताया गया कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन पिछले कई दिनों से अस्वस्थ हैं और दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। उनके बेहतर स्वास्थ्य के लिए झामुमो नेताओं, कार्यकर्ताओं और झारखंड आंदोलनकारियों ने

भगवान शिव की विधिवत पूजा कर प्रार्थना की। इस अवसर पर शिवलिंग पर जलाभिषेक, पुष्प अर्पण और आरती की गई। मंत्रोच्चार के बीच उपस्थित लोगों ने गुरुजी के जल्द स्वस्थ होने की कामना की और भगवान से उनके उत्तम स्वास्थ्य के लिए आशीर्वाद मांगा।

'मन की बात' में प्रधानमंत्री ने आपातकाल को बताया लोकतंत्र की हत्या, संविधान रक्षकों को किया नमन

एजेंसी, नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को अपने रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' में आपातकाल की 50वीं बरसी पर उसके काले अध्याय को याद किया और कहा कि यह सिर्फ संविधान की हत्या नहीं थी, बल्कि न्यायपालिका को भी गुलाम बनाने का प्रयास था। उन्होंने उन हजारों लोगों को श्रद्धांजलि दी, जिन्होंने अत्याचारों का सामना करते हुए लोकतंत्र की रक्षा की।

प्रधानमंत्री ने आज 'मन की बात' कार्यक्रम के 123वें एपिसोड में अनेक विषयों पर अपने विचार साझा किए। उन्होंने हाल के दिनों में देश में हुए सकारात्मक बदलावों, सांस्कृतिक पर्वों, सामाजिक

सहभागिता, महिलाओं की प्रगति, पर्यावरण संरक्षण और भारत की अंतरराष्ट्रीय उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए देशवासियों को गर्व और प्रेरणा का अनुभव कराया। प्रधानमंत्री ने आपातकाल की 50वीं बरसी पर लोकतंत्र की रक्षा में जुटे लोगों को याद किया। मोदी ने कहा कि 1975 में लगाए गए आपातकाल के दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया। आप कल्पना कर सकते हैं कि वह दौर कैसा था। आपातकाल लगाने वालों ने ना सिर्फ हमारे संविधान की हत्या की बल्कि उनका इरादा न्यायपालिका को भी गुलाम बनाए रखने का था। इस दौरान लोगों को बड़े पैमाने पर प्रताड़ित किया गया था। इसके ऐसे अनेक उदाहरण हैं, जिन्हें कभी भी भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कार्यक्रम के दौरान पूर्व प्रधानमंत्री मोरारजी देसाई, बाबू जगजीवन राम और अटल बिहारी वाजपेयी के पुराने ऑडियो भी साझा किए, जिनमें उन्होंने उस दौर की भयावहता को स्पष्ट किया। उन्होंने कहा कि जॉर्ज फर्नांडिस साहब को जंजीरों में बांधा गया था। अनेक लोगों को कठोर यातनाएं दी गई। मीसा के तहत किसी को भी ऐसे ही गिरफ्तार कर लिया जाता था। छात्रों को भी परेशान किया गया।

भारी बारिश के रेड अलर्ट पर सतर्क रहें अधिकारी: आपदा प्रबंधन मंत्री

एजेंसी, रांची

झारखंड में मूसलधार बारिश के खतरे को देखते हुए राज्य सरकार ने सभी जिलों को अलर्ट पर रखा है। आपदा प्रबंधन मंत्री इरफान अंसारी ने रविवार को राज्य के सभी उपायुक्तों, आपदा प्रबंधन अधिकारियों और जिला प्रशासन को 24 घंटे सतर्क रहने का सख्त निर्देश दिया।

मंत्री ने रेड अलर्ट वाले जिलों में स्कूलों को बंद करने की अनुशंसा की है। साथ ही, जलभराव, स्वास्थ्य संकट, बिजली दुर्घटनाओं जैसी संभावित समस्याओं से निपटने के लिए विशेष दिशा-निर्देश जारी किया। अंसारी ने कहा कि जनता की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है। हर नुकसान का त्वरित आकलन कर रिपोर्ट विभाग को भेजी जाए और मुआवज़ा वितरण में कोई देरी न हो। मंत्री ने कहा कि वह खुद पूरे राज्य की स्थिति की निगरानी कर रहे हैं। आपदा प्रबंधन विभाग का हर अधिकारी, हर कर्मचारी सक्रिय है। कोई कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि इससे पहले 19 जून को भी भारी बारिश को लेकर राज्यव्यापी एडवाइजरी जारी की गई थी, जिसमें क्या करें या क्या न करें के निर्देश दिए गए थे। मंत्री ने अब एक बार फिर हालत को भांपते हुए राहत कार्यों को तेज़ करने और मुआवजा वितरण में तेजी लाने के आदेश दिए हैं।

प्रभावित जिलों में राहत सामग्री की आपूर्ति और वितरण पहले से जारी है। स्थानीय प्रशासन को यह सुनिश्चित करने को कहा गया है कि कोई भी पीड़ित परिवार सहायता से वंचित न रह जाए। अंसारी ने जनता से संयम, सतर्कता और सरकार पर विश्वास बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने दोहराया कि जब तक स्थिति सामान्य नहीं हो जाती, आपदा प्रबंधन विभाग पूरी तरह सक्रिय रहेगा।

झारखंड के अधिकांश जिलों में दो जुलाई तक भारी बारिश का अलर्ट

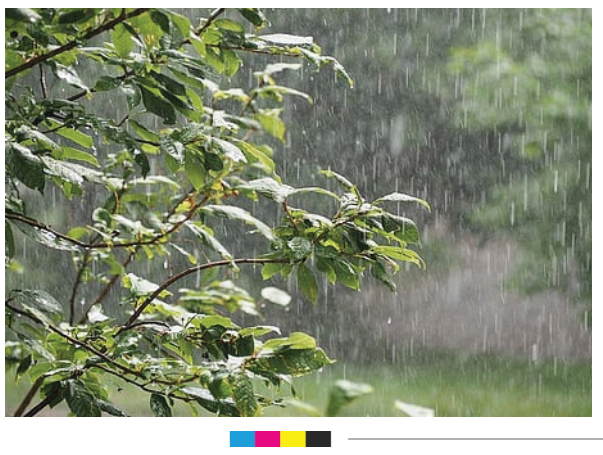

एजेंसी, रांची

झारखंड के अधिकांश जिलों में दो जुलाई तक भारी बारिश होने की आशंका है। इसे लेकर मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विभाग के अनुसार जिन जिलों में भारी बारिश होने का अलर्ट जारी किया गया है। इनमें 29 और 30 जून को राज्य के दक्षिणी-पूर्वी और इससे सटे मध्यवर्ती एवं उत्तरी भागों में कहीं-कहीं बहुत भारी बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा पश्चिमी और उत्तरी मध्य भागों में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। इस दौरान 30-40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है। एक जुलाई को राज्य के उत्तर-पश्चिमी इससे सटे दक्षिणी हिस्सों में कहीं- कहीं बहुत भारी बारिश होने की आशंका है। इसके आलावा राज्य के दक्षिणी-मध्य और उत्तरी-मध्य हिस्सों में कहीं-कहीं भारी बारिश होने की आशंका है। इस दौरान 30-40 किमी घण्टे की रफ्तार से तेज हवा चल सकती है। दो जुलाई को पश्चिमी और इससे से मध्य भागों में कहीं- कहीं भारी होने की आशंका है। इस दौरान 30-40 किमी की रफ्तार से तेज हवा चलने की आशंका है। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश बोकारो के तेनुघाट में 77 मिमी रिकॉर्ड की गई। वहीं रांची में इस दौरान दो मिमी बारिश दर्ज की गई। रविवार को रांची और आसपास के इलाकों में सुबह से बारिश होती रही। रांची में अधिकतम तापमान 29.7 डिग्री, जमशेदपुर में 32, डालटेनगंज में 31.8, बोकारो में 32.5 और चाईबासा में 30.3 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

संक्षिप्त समाचार

जनता दरबार में सिंगर ने तेजप्रताप के लिए गाया गाना, कहा- 15 साल कईले सेवा, देहव फिर से प्यार

पटना। पार्टी और परिवार से निकाले जाने के बाद तेजप्रताप यादव जनता दरबार लगा रहे हैं। 28 जून को अपने आवास पर जनता दरबार लगाया। इस दौरान उन्होंने लोगों की समस्याएं सुनीं। वहीं तेजप्रताप ने X पर लिखा आज जिला- पटना से ही आये हुए गायक युवराज सिंह जी ने अपनी बेमिसाल गायकी से हम सभी को आत्ममुग्ध करने का काम किए हैं। अरे कर जोड़ी कहेले भैया तेज प्रताप हो...आइल चाची बेटवा तोहार...15 साल कईले सबके सेवा... देहव जां फिर से आपन प्यार। वहीं अब यूजर इस पर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं, राजकुमार यादव नाम के एक यूजर ने लिखा कि तुम्हारी हरकत बता रहीं हैं, दिमाग से तुम पैदल हो. किसी सल्तनत के नवाब हो, कलाकार खड़ा और तुम सिंहासन पर बैठे हो। एक दूसरे यूजर पवन कुमार ने लिखा कि नाचना भी पड़ेगा, नहीं तो तुम्हें भी सस्पेंड करा देगा। 26 जून को तेजप्रताप ने X पर जनता दरबार की जानकारी दी थी। उन्होंने X पर लिखा- जनता का दरबार, जनसमस्याओं का सीधा समाधान,आपके बीच, आपकी आवाज बनने के लिए तत्पर। आइए साथ मिलकर रचें बिहार का नया अध्याय,सदैव आपके साथ ,सदैव बिहार के साथ।' 'सोमवार दिनांक 30 जून से 26 एम स्ट्रेड रोड स्थित मेरे आवास से जनता दरबार शाम 6 से 8 बजे तक लगेगा।'

ओवैसी बोले-हम नहीं चाहते बिहार में एनडीए वापस आए, ये महागठबंधन की जिम्मेदारी

पटना। ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (AIMIM) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने महागठबंधन में एंट्री के संकेत दिए हैं। ओवैसी ने साफ शब्दों में कहा है, 'हम भी नहीं चाहते हैं कि भाजपा और NDA बिहार में सत्ता में वापस आए। इसे रोकने की जिम्मेदारी महागठबंधन की है।' ओवैसी ने कहा हमारे प्रदेश अध्यक्ष अख्तरुल ईमान ने महागठबंधन के कुछ नेताओं से बात की है और उन्होंने स्पष्ट कहा है कि AIMIM नहीं चाहती कि बिहार में भाजपा या NDA दोबारा सत्ता में लौटे। अब यह इन राजनीतिक दलों पर निर्भर करता है कि वो NDA की वापसी को कैसे रोकते हैं। 5 साल पहले भी मैंने खुद कोशिश की थी, लेकिन उसका कोई नतीजा नहीं निकला। इस बार भी हमारे प्रदेश अध्यक्ष प्रयास कर रहे हैं, लेकिन अंतिम फैसला महागठबंधन के नेताओं का ही होगा। इससे पहले AIMIM प्रमुख ने निर्वाचन आयोग की कार्यशैली पर सवाल उठाए थे। शुक्रवार को उन्होंने अपने सोशल मीडिया X पर लिखा, 'निर्वाचन आयोग बिहार में गुप्त तरीक़े से NRC लागू कर रहा है।' 'वोटर लिस्ट में नाम दर्ज करवाने के लिए अब हर नागरिक को दस्तावेजों के जरिए साबित करना होगा कि वह कब और कहां पैदा हुए थे और साथ ही यह भी कि उनके माता-पिता कब और कहां पैदा हुए थे।' 'विश्वसनीय अनुमानों के अनुसार भी केवल तीन-चौथाई जन्म ही रजिस्टर्ड होते हैं। ज्यादातर सरकारी कागजों में भारी गलतियां होती हैं। बाढ़ प्रभावित सीमांचल क्षेत्र के लोग सबसे गरीब हैं।' 'वे मुश्किल से दिन में दो बार खाना खा पाते हैं। ऐसे में उनसे यह अपेक्षा करना कि उनके पास अपने माता-पिता के दस्तावेज होंगे, एक क्रूर मजाक है।' 'इस प्रक्रिया का परिणाम यह होगा कि बिहार के गरीबों की बड़ी संख्या को वोटर लिस्ट से बाहर कर दिया जाएगा। वोटर लिस्ट में अपना नाम भर्ती करना हर भारतीय का संवैधानिक अधिकार है।''सुप्रीम कोर्ट ने 1995 में ही ऐसी मनमानी प्रक्रियाओं पर सख्त सवाल उठाए थे। चुनाव के इतने करीब इस तरह की कार्रवाई शुरू करने से लोगों का निर्वाचन आयोग पर भरोसा कमजोर हो जाएगा।'

इंसान नहीं रोबोट सर्व करेंगे खाना, वो भी 1 मिनट में, पटना में बिहार का पहला एआई बेस्ड रोबोटिक रेस्टोरेंट

पटना। पटना के कंकड़बाग में बिहार का पहला रोबोटिक रेस्टोरेंट खुला है। 1 करोड़ की लागत से बने इस रेस्टोरेंट में रोबोट ही खाना परोसेंगे। काउंटर से टेबल तक पहुंचने में रोबोट 50 सेकेंड से 1 मिनट तक का समय लेंगे। रास्ते में कोई कस्टमर खड़ा होगा तो रोबोट हटने का इंतजार करेगा। रोबोट का कंट्रोल हैदराबाद से होगा। रेस्टोरेंट मालिक ने 19.50 लाख में हैदराबाद से 3 रोबोट मंगाए हैं। एक रोबोट की कीमत 6.50 लाख है। खराबी आने पर हैदराबाद में ही रोबोट की रिपेयरिंग होगी। रोबोट पूरी तरह से GPS और AI सिस्टम पर काम करेंगे। रेस्टोरेंट में 18 टेबल हैं। हर टेबल से GPS कनेक्ट है। GPS के जरिए ही रोबोट टेबल तक पहुंचेगा और खाना सर्व करेगा। इस रेस्टोरेंट में इंडियन, चाइनीज तंदूर और कांटिनेंटल फूड सर्व किए जाएंगे। रेस्टोरेंट के ऑनर राजकुमार ने बताया, 'मैं खुद एक शेफ हूं। IHM बेंगलुरु से पास आउट हूं। ITC मुंबई, अलग-अलग शिप और कई देशों में काम कर चुका हूं। 24 लाख वाले पैकेज की नौकरी छोड़कर मैंने इस रेस्टोरेंट को खोला है।' 'एक बार मैं हैदराबाद के एक रेस्टोरेंट में खाना खाने गया था। उस रेस्टोरेंट में रोबोट खाना परोस रहे थे, जो लोगों को अपनी ओर अट्रैक्ट कर रहे थे। छोटे-छोटे बच्चे वहां खाना खाने से ज्यादा मौज-मस्ती करते नजर आए। यह कंसेप्ट मुझे बहुत अच्छा लगा।' 'इसी कंसेप्ट पर बिहार में पहली बार पटना में रोबोट मंगाया गया है। हमारा फोकस रेस्टोरेंट में आए हर फैमिली पर होगा, ताकि उनके साथ जो छोटे-छोटे बच्चे आएंगे, वो खाने के साथ-साथ मौज मस्ती भी कर सकें। इसके लिए अलग से रेस्टोरेंट के अंदर प्ले जोन बनाया गया है।'

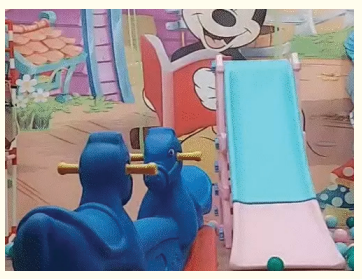

गंगा स्नान के दौरान महिला की डूबने से मौत, वैशाली में पैर फिसलने से तेज धारा में बही

हाजीपुर। वैशाली में रविवार सुबह गंगा स्नान के दौरान एक 62 वर्षीय महिला की डूबने से मौत हो गई। मृतका की पहचान चनरी देवी के रूप में हुई है, जहांगीरपुर परोहा गांव निवासी तेज नारायण राय की पत्नी हैं। वह रोज की तरह सुबह वे गंगा स्नान के लिए घाट पर गई थीं। इस बार यह उनका आखिरी स्नान साबित हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, स्नान करते समय उनका पैर फिसल गया और वे गहरे पानी में चली गईं। ग्रामीणों ने उन्हें बचाने की कोशिश की, लेकिन गंगा की तेज धारा में बहने के कारण वे लापता हो गईं। इसकी सूचना फौरन गोताखोरों को दी गई, जिन्होंने काफी मशक्कत के बाद शव को बरामद किया। घटना के बाद महिला का शव चारपाई पर रखकर गांव लाया गया, जहां परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पूरे गांव में मातमी सन्नाटा पसर गया है। घटना की जानकारी मिलने पर रुस्तमपुर थानाध्यक्ष धर्मेंद्र कुमार की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए हाजीपुर सदर अस्पताल भेज दिया है। पुलिस लोगों से पूछताछ कर जांच में जुटी रहै। जानकारी मिलते ही राघोपुर के पूर्व विधायक सतीश कुमार यादव, पंचायत मुखिया मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से गंगा घाट पर बैरिकेटिंग और सुरक्षा व्यवस्था की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं रोकी जा सकें।

'एक माह में 100 बनिया लोगों की हत्या हुई है', वैश्य आयोग के गठन की मांग

तेजस्वी ने कहा- मैंने 17 माह में बहुत काम किया, सीएम नीतीश थक चुके हैं

एजेंसी, पटना

राष्ट्रीय वैश्य महासभा की ओर से बापू सभागार में वैश्य प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज के हजारों लोग पहुंचे। सम्मेलन में मुख्य अतिथि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने की।

30 मिनट जेपी पथ पर जाम में फंसे रहे नेता प्रतिपक्षः तेजस्वी यादव ने कहा,' आप सभी का इस वैश्य सम्मेलन में स्वागत करते हैं। हमें तो सब को साथ ले कर चलना है। इस तरह का सम्मेलन हमेशा होना चाहिए। हम 30 मिनट तक गंगा पथ पर जाम के फंसे रहे। बनिया का मतलब क्या है.. बनिए। अब आप लोग बिहार बनाने में अपना योगदान दीजिए। 20 साल सत्ता में रहे फिर भी बिहार में कुछ काम नहीं हुआ। बिहार शिक्षा, स्वास्थ्य में सबसे पीछे, अपराध में सबसे आगे। इस साल जून तक 100 से अधिक बनिया समाज के लोगों की हत्या हुई है। क्या स्थिति है, दुकान में खड़े हैं, आकर गोली मार दे रहा है। सरकार ने बिहार के लिए कुछ नहीं किया है। बस एक बात करेंगे कि जंगलराज आ जायेगा'। आगे कहा, '17 महीने हम सरकार में रहे, क्या उस समय लोग सरकार में नहीं रहते थे। आपके समाज के

लोगों के साथ कभी भी कुछ होता है तो हम वहां जाते हैं। बिहार को नया बिहार बनाना है। 'आप लोग के बिना ऐसा नहीं होगा। मैंने 17 महीने में टूरिज्म, IT, स्पोर्ट्स पॉलिसी बनाने का काम किया था। नीतीश जी थक चुके हैं। कुछ पता नहीं है उनको, जो नीति आयोग की बैठक में नहीं जाता है..NDA की बैठक में जाता है'।

नीतीश जी अचेत अवस्था में हैः आगे तेजस्वी ने कहा, 'सीएम अचेत अवस्था में हैं। मेरे घर के बगल में गोलियां चली है..अब तक कोई पकड़ा नहीं गया है। पहले ऐसा होता था जी। 700 डॉक्टर्स को मैने बर्खास्त किया था। रात भर छपा मारते थे। जब सरकार बनेगी तो आपके रक्षा की जिम्मेदारी तेजस्वी करेगा। आपके समाज के सभी लोगों को सरकार में लालू जी दे जगह दी थी। इस बार आने वाले समय में आपके समाज को हम लोग मौका देंगे। हर बड़े पदों पर हमलोगों ने वैश्य समाज को पार्टी में रखा है। एक बार आप लोगों ने मौका दे कर देखिए। 20 साल दिया...हमको 20 महीना दीजिए..काम नहीं करेंगे तो हटा दीजिएगा। अगर 8 करोड़ का वोट लिस्ट वैध नहीं है...तो प्रधान मंत्री भी अवैध रूप से ही पीएम बने है। आगे कहा कि गरीबों का वोटर लिस्ट से नाम कटा जा रहा है। जब गरीब लोग ही नहीं होगा तो राशन कार्ड से नाम कटेगा। बीजेपी के पास कोई चेहरा नहीं है...बताइए बीजेपी ने दिलीप जायसवाल को प्रदेश अध्यक्ष को बनाया है...वो वैश्य समाज के लिए कुछ नहीं कर रहे है।

तेजस्वी की घोषणाः तेजस्वी यादव ने घोषणा करते हुए कहा कि हमारी सरकार बनेगी तो वैश्य आयोग का गठन करेंगे। बड़े बड़े दुकानों में पुलिस ब्रेकड की स्थापना की जाएगी। CCTV कैमरे लगाए जाएंगे।

अधिकार की आवाज बुलंद करेगा वैश्य समाजः राष्ट्रीय वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष समीर कुमार महासेठ और प्रदेश अध्यक्ष डॉ. पीके चौधरी ने कहा कि यह सम्मेलन वैश्य समाज की एकता, सम्मान और अधिकार की आवाज बुलंद करेगा। उन्होंने कहा कि लंबे समय से समाज को प्रशासनिक उपेक्षा का शिकार होना पड़ रहा है। विभिन्न विभागों, योजनाओं और राजनीतिक निर्णयों में वैश्य समाज की उपेक्षा की जा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समाज अब किसी भी राजनीतिक दल का बंधुआ बनने वाला नहीं है।

वैश्य आयोग के गठन की मांगः अध्यक्ष ने कहा कि जिस तरह अन्य समाज के लिए आयोग बनाए गए हैं, उसी तरह वैश्य आयोग का गठन होना चाहिए। सम्मेलन में वैश्य आयोग की मांग को प्रमुखता से उठाया गया। उन्होंने कहा कि यह आयोग बनने से समाज की सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक स्थिति को मजबूती मिलेगी और सरकार के समक्ष उनकी समस्याएं उचित मंच से रखी जा सकेंगी। कार्यक्रम में कई जिलों से आए प्रतिनिधियों ने भी अपने विचार रखे। उन्होंने वैश्य समाज पर हो रहे अन्याय, उत्पीड़न और अवसरों में वंचना को लेकर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है जब समाज अपनी राजनीतिक ताकत को एकजुट कर यह दिखाए कि उनकी उपेक्षा करना आसान नहीं होगा।

जेपी गंगा पथ पर लगा 5 किलोमीटर लंबा जाम

पटना। पटना के शहरी इलाके में ट्रैफिक व्यवस्था चरमरा गई है। JP गंगा पथ (मरीन ड्राइव) पर दो लेन पर भीषण जाम लगा हुआ है। लगभग 5 किलोमीटर से भी अधिक लंबा जाम है। फिलहाल ट्रैफिक पुलिस जाम को क्लियर कराने में लगी हुई है। दरअसल, गांधी मैदान में वक्फ बचाओ संविधान बचाओ कांफ्रेंस को लेकर दूर-दूर से लोग गाड़ियों से पहुंचें हैं। मरीन ड्राइव पर गाड़ियों की लंबी कतार लग गई है। सड़क पर ही जैसे-तैसे गाड़ी पार्क कर दी गई है, जिससे आमलोगों को काफी दिक्कत हो रही है। ट्रैफिक SP अपराजित लोहान ने आम लोगों से आज मरीन ड्राइव की ओर घूमने नहीं आने की अपील की है। उन्होंने कहा है कि जो मनोरंजन के स्टॉल्स/ फूड वेंडर्स/ फूड स्टॉल्स आदि मरीन ड्राइव पर लगते हैं, उनको आज 29 जून को वक्फ रैली में आई भीड़ को देखते हुए बंद रखने का आदेश दिया गया है। दरअसल, जब से मरीन ड्राइव बना है। पटना शहर के लोगों के लिए पर्यटक स्थल बन गया है। लोग शाम के वक्त अपनी फैमिली और बच्चों के साथ समय बिताने यहां आते हैं। आज इस रैली के चलते उन्हें यहां आने में परेशानी होगी। दुकानें भी देर शाम तक बंद रहेंगी।

यात्री से फोन छीनकर भागा चोर लोगों ने पकड़ा, चोर गिरफ्तार

एजेंसी, पटना

पटना जिले के दानापुर रेल मंडल के बिहटा रेलवे स्टेशन पर मोबाइल चोरी का एक मामला सामने आया है। बिहटा में काम करने वाला मालदा, बंगाल निवासी मशीरुल हक के साथ यह घटना हुई। दरअसल, स्टेशन से बाहर जाते समय एक युवक ने उनके हाथ से मोबाइल छीन लिया। मशीरुल हक प्लेटफॉर्म पर गिर गए और घायल हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत भागते हुए चोर को पकड़ लिया। वहीं घायल मशीरुल हक को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

GRP मौके पर पहुंची और चोर को हिरासत में ले लिया। चोर की पहचान रामाधार राय के बेटे जितेश कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से चोरी का मोबाइल भी बरामद कर लिया है। मशीरुल हक ने GRP थाने में मोबाइल चोरी का मामला दर्ज कराया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

पहले भी जेल जा चुका है

♦ मोबाइल बरामद, पुलिस बोली- पहले भी चोरी के मामले में जेल जा चुका है आरोपी

जितेशः GRP थानाध्यक्ष आरती सिंह ने बताया कि बंगाल के मालदा निवासी मसीरूल हक के द्वारा थाने में मोबाइल चोरी का मामला दर्ज कराया गया। उन्होंने बताया कि वह ट्रेन से उतरकर जा रहे थे, तभी प्लेटफार्म पर एक युवक आता है और उनका मोबाइल छीनकर भागने लगता है। मौके पर मौजूद लोगों के सहयोग से युवक को पकड़ा गया है और मोबाइल भी बरामद कर लिया गया है।

एमपी के पूर्व सीएम बोले- इलेक्शन कमीशन से मिलेगा इंडिया गठबंधन, वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन को लेकर देंगे आवेदन

एजेंसी, पटना

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह पटना में हैं। शनिवार को वह लालू यादव से मिलने उनके आवास गए थे। रविवार को दिग्विजय सिंह ने सदाकत आश्रम में कहा कि मेरी मुलाकात कल लालू प्रसाद से हुई। मैंने उनसे अनुरोध किया है कि वह मल्लिकार्जुन खड़गे से बात करें और इंडिया एलायंस के पार्टनर्स की तत्काल बैठक बुलानी चाहिए। इलेक्शन कमीशन से मिलना चाहिए। कहा, 'हम लोग मिलकर इलेक्शन कमीशन को आवेदन देंगे। अगर वह नहीं माने तो कोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन को लेकर चुनाव आयोग सवालों के घेरे में है'।

इलेक्शन कमीशन पर उठाए सवालः उन्होंने कहा, 'बिहार में सामाजिक-आर्थिक पुनरीक्षण (SIR) के चुनाव आयोग के फैसले पर सवाल उठाए। कहा कि इलेक्शन कमीशन एक पार्टी का समर्थन करते हुए निर्णय ले रहा है'। 'पहले

कमिशन ऑल पार्टी मीटिंग बुलाता था, जिसमें चर्चा होती थी। "25 दिनों में 8 करोड़ लोगों की गिनती कैसे होगी, जबकि 2003 में यही प्रक्रिया 2 साल ले गई थी?" 21 साल से जो वोट डालते आ रहा है अब उसे फिर से प्रमाण देना होगा कि वह देश का नागरिक है'।

बिहार में 100 में से सिर्फ 30 बच्चे ही स्कूल जा रहेः उन्होंने बिहार की चरमराई शिक्षा व्यवस्था के बारे में बात की। कहा,'कि बिहार एक जमाने में शिक्षा का केंद्र हुआ करता था। यहां नालंदा और विक्रमशिला जैसे प्रसिद्ध विश्वविद्यालय थे, जहां विदेश से छात्र शिक्षा लेने आते थे। आज सबसे कम ग्रॉस एनरोलमेंट रेट बिहार की है, जहां राष्ट्रीय औसत 56.2% है'। 'बिहार का एनरोलमेंट रेशियो बस 30% है, यानी की 100 में से सिर्फ 30 बच्चे ही स्कूल जा रहे हैं। आठवीं पास होने के बाद केवल 45.6% ही बच्चे आगे कक्षा में एडमिशन लेते हैं'। '10वीं पास होने के बाद बस 20% स्टूडेंट ही आगे पढ़ाई के लिए नामांकन करवाते हैं। बिहार में उच्च शिक्षा की व्यवस्था नहीं है। यहां 1 लाख की आबादी पर 7 कॉलेज हैं। यानी बिहार के अधिकांश छात्रों को बिहार से बाहर जाकर पढ़ाई करना पड़ता है'।

बिहार में सिर्फ 5000 स्कूलों में कंप्यूटरः दिग्विजय सिंह ने कहा, 'बिहार में 78000 स्कूल है, उसमें से सिर्फ 5000 स्कूलों में कंप्यूटर है। वहीं, 16500 स्कूलों में बिजली नहीं है जिसकी वजह से वहां कंप्यूटर का इस्तेमाल नहीं होता है। आज IT और कंप्यूटर का जमाना है। मगर बिहार के बच्चों को इस शिक्षा से दूर रखा जा रहा है। इसके अलावा बिहार में ऐसे 117 स्कूल है जहां पर एक भी छात्रों का एडमिशन नहीं हुआ है, लेकिन इन स्कूलों में 544 शिक्षक तनख्वाह उठा रहे हैं'।

NEET नेशनल स्कैम की उत्पत्ति बिहार सेः दिग्विजय सिंह ने कहा, 'जितने पेपर लीक बिहार में होते हैं उतने किसी भी प्रांत में नहीं होते। बिहार में अभी यह बहुत बड़ा व्यवसाय बन चुका है। भाजपा जदयू की सत्ता की सरपरस्ती में सरकारी भर्तियां और प्रतियोगी परीक्षाओं में घोटाले का काम चल रहा है। 7 सालों में 10 से अधिक परीक्षा में पेपर लिखकर मामले सामने आए हैं। 2017 में सिपाही भर्ती की परीक्षा में पेपर लीक हुआ था। इसमें 21 FIR दर्ज हुई थी, जिसकी जांच अभी भी चल रही है। NEET में भी नेशनल स्कैम हुआ था, उसकी उत्पत्ति बिहार में हुई थी'।

चीन से आएगी सुरंग बनाने वाली मशीन, बिहार-पटना म्यूजियम जुड़ेगा, अंडरग्राउंड खुदाई का काम होगा शुरू

एजेंसी, पटना

बिहार म्यूजियम से पटना म्यूजियम को जोड़ने वाली सुरंग का काम 35% पूरा हो चुका है। वहीं अभी भी मेट्रो नेटवर्क बनाने के लिए सुरंग का काम टनल बोरिंग मशीन (TBM) की वजह से रुका हुआ है। इस मशीन को चीन से मंगवाया जा रहा है। इसके अगले महीने आने की उम्मीद है, जिसके बाद अंडरग्राउंड टनल की खुदाई का काम शुरू हो जाएगा। इसके लिए बेस स्लैब और लॉन्च शाफ्ट तैयार हो चुके हैं, जहां से TBM को अंडरग्राउंड खुदाई का काम शुरू करने के लिए प्लेटफॉर्म मिलेगा।

पिछले महीने CM ने किया था निरीक्षणः पिछले महीने

♦ बेस स्लैब और लॉन्च शाफ्ट पूरा, 2027 में होगा तैयार

CM नीतीश कुमार ने इस टनल का निरीक्षण किया था। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया था की टनल का निर्माण कार्य जल्द और बेहतर तरीके से पूरा किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा था कि बिहार म्यूजियम अंतरराष्ट्रीय स्तर का है और पटना म्यूजियम में भी बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। टनल के बनने से दोनों म्यूजियम की आपसी कनेक्टिविटी बेहतर होगी और पर्यटकों की संख्या में वृद्धि होगी। उन्होंने पार्किंग और अन्य सुविधाओं की समुचित व्यवस्था करने को कहा था।

दो म्यूजियम को जोड़ने वाला भारत का पहला टनलः इस विश्व स्तरीय 'हेरिटेज टनल' को 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। यह सुरंग पटना म्यूजियम, विद्यापति मार्ग, तारामंडल क्रॉसिंग, इनकम टैक्स गोलंबर, पटना विमेंस कॉलेज और बिहार म्यूजियम सहित कई प्रमुख जगहों से होकर गुजरेगा। दो म्यूजियम को जोड़ने वाली यह अपनी तरह की भारत की पहली सुरंग है। यह 1.5 किलोमीटर लंबी सुरंग होगी। यह सुरंग एक आर्ट गैलरी की तरह होगी, जिसमें मधुबनी पेंटिंग्स के द्वारा राज्य की कला, संस्कृति, विरासत, भित्तिचित्र और अन्य कलाकृतियों को सुरंग की दीवारों पर प्रदर्शित किया जाएगा। एंट्री और एग्जिट बिल्डिंग में एक भूतल और प्रथम तल होगा और इसमें तीन-लेवल का बेसमेंट होगा।

गांधी मैदान में "वक्फ बचाओ–दस्तूर बचाओ" रैली का आयोजन

एजेंसी, पटना

पटना के गांधी मैदान में आज "वक्फ बचाओ–दस्तूर बचाओ" विशाल रैली और सम्मेलन का आयोजन किया गया है। इस सम्मेलन का आयोजन इमारतें-ए-शरिया कर रही है। रैली, सम्मेलन वक्फ संशोधन बिल 2025 के विरोध में रखी गई है। पटना के गांधी मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम में बिहार के साथ झारखंड और बंगाल से भी बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोग शामिल हैं। इस कार्यक्रम को कांग्रेस और RJD का समर्थन प्राप्त है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव, सांसद पप्पू यादव जैसे विरोधी भी एक साथ मंच पर शामिल हैं। इस कार्यक्रम में कांग्रेस के बड़े नेता सलमान खुर्शीद भी शामिल हैं। वक्फ बिल के विरोध में हो रहे सम्मेलन को कांग्रेस और राजद बड़े मौके के रूप देख रही

♦ सलमान खुर्शीद, तेजस्वी यादव और पप्पू यादव भी पहुंचे, एनडीए पर दबाव बनाने की तैयारी

है। यही कारण है कि इस सम्मेलन में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद, पप्पू यादव और नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव भी पहुंचे हुए है। वक्फ बिल का समर्थन करते हुए RJD और कांग्रेस की कोशिश है कि चुनावी साल में रैली के जरिए मुस्लिम वोटों को एकजुट रखा जाए और किसी भी होने वाले संभावित बिखराव से बचा जाएं ताकि NDA पर मजबूत दबाव बना सके।

पटना में बच्चों के विवाद में फायरिंग, दो घायल

पटना। पटना के गौरीचक थाना क्षेत्र के जुझारपुर गांव में रविवार को बच्चों के विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। दो गुटों के बीच हुई फायरिंग में दो युवक घायल हो गए। घायलों को नालंदा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की जानकारी में सामने आया कि आदित्य कुमार को नाक पर और शिव शंकर कुमार को पैर में गोली लगी। गांव की गुंजन देवी के अनुसार, रोशन कुमार, कौशल कुमार, विनोद कुमार, विशाल कुमार और नीरज कुमार ने पहले उनके पति की पिटाई की। जब वह बचने के लिए भागने लगे तो गोलीबारी की गई। गौरीचक थाना प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि दो दिन पहले गांव के बच्चों के बीच खेल में विवाद हुआ था। यही विवाद आज बड़ा रूप ले लिया। पुलिस ने घटनास्थल से गोली का एक खोखा बरामद किया है।

बीएलओ घर-घर जाकर वोटर लिस्ट का करेंगे वेरिफिकेशन

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव को लेकर भारत निर्वाचन आयोग के आदेश के अनुसार मतदाता सूची के विशेष पुनरीक्षण अभियान की शुरुआत हो चुकी है। पटना डीएम डॉ. त्यागराजन ने कलेक्ट्रेट में पीसी कर जानकारी दी। डीएम ने कहा कि हर चुनाव में यह देखा गया है कि बड़ी संख्या में ऐसे नाम मतदाता सूची में दर्ज रहते हैं, जो या तो अब जीवित नहीं हैं। या दूसरी जगह स्थानांतरित हो चुके हैं। इस कारण वोटर टर्नआउट का प्रतिशत कम हो जाता है। इसे सुधारने के उद्देश्य से मतदाता सूची को नए सिरे से बनाया जा रहा है।

1 जुलाई से पटना में शुरू होगा पुनरीक्षण कार्यः पटना में यह विशेष अभियान 1 जुलाई 2025 से शुरू किया जाएगा। इसके तहत बीएलओ (बूथ लेवल ऑफिसर) प्रत्येक घर पर जाकर मतदाताओं का सत्यापन करेंगे। जो नागरिक निर्धारित फॉर्म भरकर बीएलओ को जमा करेंगे, उन्हीं के नाम ड्राफ्ट वोटर लिस्ट में शामिल किए जाएंगे।

25 जुलाई है अंतिम डेटः डीएम ने स्पष्ट किया कि जिन लोगों का सत्यापन 25 जुलाई तक नहीं होगा, उनके नाम मतदाता सूची से हटाए जा सकते हैं। इसलिए यह बेहद आवश्यक है कि सभी योग्य मतदाता समय पर सत्यापन करवाएं और फॉर्म भरकर जमा करें।

कमजोर तबकों की मदद के लिए लगाए 500 वालंटियरः डीएम त्यागराजन ने कहा कि ऐसे लोग जो खुद फॉर्म भरने या जमा करने में सक्षम नहीं हैं, जैसे वृद्ध, असहाय या गरीब, उनकी सहायता के लिए 500 वॉलंटियर नियुक्त किए गए हैं। इनमें शिक्षा विभाग, आशा कार्यकर्ता, आंगनबाड़ी सेविका, जीविका दीदी आदि को शामिल किया गया है।

महत्वपूर्ण दिशानिर्देश व दस्तावेजों की सूचीः एक घर में यदि पाँच मतदाता हैं, तो पांचों को व्यक्तिगत रूप से फॉर्म भरना होगा। 1987 से 2003 के बीच जन्मे नागरिकों को जन्म स्थान से संबंधित दस्तावेज के साथ माता या पिता का प्रमाण-पत्र देना होगा। 2003 के बाद जन्मे नागरिकों को माता-पिता दोनों के दस्तावेज अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करने होंगे। कुल 11 प्रकार के पहचान-पत्रों को वैध माना जाएगा (जैसे – आधार कार्ड, पासपोर्ट, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड आदि)। किसी भी जानकारी के लिए

♦ 25 जुलाई तक सत्यापन नहीं करने पर सूचि से हटेगा नाम, डीएम बोले- प्रतिशत बढ़ाने के लिए ये जरूरी

नागरिक 1950 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर सकते हैं। डीएम ने बताया कि नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ऑनलाइन फॉर्म भरने की भी सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसका लिंक आगामी 1-2 दिनों में सार्वजनिक किया जाएगा। साथ ही, बीएलओ के मोबाइल नंबर पर भी संपर्क किया जा सकता है। डीएम ने अंत में जनता से अपील करते हुए कहा कि यह कार्य लोकतंत्र को मजबूत बनाने का आधार है, और सभी पात्र नागरिकों की यह जिम्मेदारी है कि वे समय पर अपना सत्यापन कराएं और मतदाता सूची में नाम दर्ज करवाएं।

संक्षिप्त समाचार

तीन कारोबारी समेत पांच पियक्कड़ और एक वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम, मोतिहारी। जिले के आदापुर थाना क्षेत्र में शराब के अवैध कारोबार और सेवन के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने छापेमारी कर 180 बोतल नेपाली कस्तूरी शराब (कुल 54 लीटर) बरामद करते हुए कुल 9 लोगों को गिरफ्तार किया है, जिनमें तीन कारोबारी, पांच शराब पीने वाले और एक एनबीडब्ल्यू वारंटी शामिल हैं। सभी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। गिरफ्तार शराब कारोबारियों की पहचान श्यामपुर गांव निवासी अजय मालिक (पिता- रामनिवास मालिक), रिकी पासवान (पिता- महेश पासवान) तथा नेपाल परसा जिला के इनरवा थाना क्षेत्र के बीरगंज भंडार निवासी दिनेश पंडित (पिता- स्व. जयप्रकाश पाठक) के रूप में हुई है। वहीं श्यामपुर गांव के ही धीरज कुमार (पिता- हीरालाल भगत) को एनबीडब्ल्यू वारंटी के रूप में गिरफ्तार किया गया। शराब सेवन के आरोप में हरपुर थाना क्षेत्र के कचूरबारी निवासी सोनालाल राउत, दरपा थाना क्षेत्र के बहादुरपुर गांव के दीपक राम, पंकज कुमार राम, रंजन राम और श्यामपुर निवासी आबिद कोरेशी को भी हिरासत में लिया गया है। आदापुर थानाध्यक्ष धर्मबीर चौधरी ने बताया कि छापेमारी अभियान में कुल 54 लीटर नेपाली कस्तूरी शराब जब्त की गई है और सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

सरकार के साथ समाज की ताकत से बनेगा विकसित भारत

बीएनएम। मोतिहारी । स्वर्णिम भारत निर्माण के अध्यक्ष मनीष कुमार शेखर ने रविवार को मोतिहारी में कहा कि विकसित भारत बनाने के लिए युवाओं को आगे आना होगा। शेखर ने कहा कि सरकार के साथ समाज की ताकत से ही विकसित भारत बनाया जा सकता है। मनीष ने कहा कि सरकार की एक सीमा है जिससे अधिक करना संभव नहीं है लेकिन समाज की ताकत अनंत है जो भारत को एक दिन विकसित भारत के साथ पुनः विश्वगुरु के रूप में स्थापित करेगा। शेखर ने कहा कि जब भी देश को जरूरत पड़ी है बिहार उसका मार्गदर्शन किया है। बिहार का गौरवशाली इतिहास रहा है जिसपर सभी बिहारियों को गर्व है। आज भी बिहार की बौद्धिक क्षमता का लोहा देश ही नहीं पुरी दुनिया मानता है। बिहार के लोगों ने अपने जीवन में नौकरी पाने की प्राथमिकता बनाया है,जिसमें वे देश में सबसे आगे हैं। युवाओ को समय के साथ जीवन में अपनी प्राथमिकता एवं लक्ष्य को तय करना जरूरी है।

मोहर्रम को लेकर हरसिद्धि थाना में चौकीदारों के साथ बैठक, शांति व्यवस्था पर जोर

बीएनएम। हरसिद्धि। मोहर्रम को लेकर हरसिद्धि थाना परिसर में रविवार को थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में थाना क्षेत्र के सभी चौकीदारों और दफादारों के साथ महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में क्षेत्र के विभिन्न हिस्सों में निकलने वाले ताजिया जुलूस, उनकी संवेदनशीलता और पूर्व की घटनाओं को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। थानाध्यक्ष ने चौकीदारों से उनके क्षेत्र में निकलने वाले ताजिया जुलूस की जानकारी ली और उन्हें लिखित रूप में थाने में जमा करने को कहा। चौकीदारों ने बताया कि किन-किन जगहों से ताजिया निकलता है, कहां-कहां से जुलूस गुजरता है और पूर्व में किन स्थानों पर विवाद की स्थिति बनी थी। इन सभी स्थानों को चिन्हित कर आवश्यक सतर्कता बरतने का निर्देश दिया गया। थानाध्यक्ष ने स्पष्ट निर्देश दिया कि ताजिया जुलूस पूरी तरह शांतिपूर्ण माहौल में निकले। उन्होंने कहा कि जुलूस में डीजे बजाने पर पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा। साथ ही, किसी प्रकार के घातक हथियार जैसे भाला, फरसा, तलवार आदि लेकर जुलूस में शामिल होने पर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। केवल परंपरागत लाठी के साथ जुलूस में शामिल होने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने चौकीदारों व दफादारों से कहा कि वे अपने क्षेत्र में जाकर लोगों को नियमों की जानकारी दें और कानून व्यवस्था को लेकर जागरूक करें। थानाध्यक्ष ने सभी को चेतावनी दी कि प्रशासन द्वारा बनाए गए दिशा-निर्देशों का उल्लंघन किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर थाने के मुंशी अभिमन्यु कुमार समेत सभी चौकीदार और दफादार मौजूद थे।

पिपरिया में राजद का युवा संवाद व प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

बीएनएम। तुरकौलिया। प्रखंड क्षेत्र के पिपरिया गांव में राजद ने युवा संवाद सह प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में हरसिद्धि विधानसभा क्षेत्र के सैकड़ों युवा शामिल हुए। राजद उपाध्यक्ष विजय रंजन उर्फ मुन्ना कुमार ने युवाओं से तेजस्वी यादव को मुख्यमंत्री बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी की सरकार बनी तो माई-बहन योजना में 2500, वृद्धा व विधवा पेंशन 1500 और 200 यूनिट बिजली मुफ्त मिलेगी। प्रखंड अध्यक्ष अजय यादव ने कार्यकर्ताओं से गांव-गांव जाकर प्रचार करने को कहा। पूर्व प्रत्याशी सत्याशरण यादव ने एनडीए सरकार पर हमला बोलते हुए तेजस्वी सरकार लाने की अपील की। कार्यक्रम में अख्तर हुसैन, अवधेश यादव, जितेंद्र महतो, कैलाश सिंह कुशवाहा आदि मौजूद रहे।

आयोग का फैसला वोट बंदी साबित होगा जिसका पुरजोर विरोध करेगा भाकपा-मालेः सुनील कु. राव

बीएनएम। बेतिया : भाकपा माले ने जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी पश्चिम चंपारण द्वारा बुलाई गई बैठक जिसमें राजनीतिक दलों के बुथ लेवल एजेंट को बिहार में "विशेष गहन पुनरीक्षण" अभियान के संबंध में ट्रेनिंग देने की बात कही गई थी में भाकपा-माले नेता सुनील कुमार राव ने चुनाव आयोग के इस फैसले को तुगलकी फरमान बताते हुए इस संबंध में एक आवेदन दिया जिसमें कहा यह जानकर आश्चर्य और चिंता है कि 2025 बिहार विधानसभा चुनावों से ठीक पहले भारत निर्वाचन आयोग ने अचानक बिहार में मतदाता सूची को लेकर बड़े पैमाने पर "विशेष गहन पुनरीक्षण" अभियान चलाने का आदेश दिया है. इस आदेश के तहत चुनाव आयोग ने एक महीने के भीतर बिहार के 7.8 करोड़ से अधिक मतदाताओं का घर-घर सर्वेक्षण करने और सभी से भरे हुए फॉर्म इकट्ठा करने का लक्ष्य तय किया है. चुनाव आयोग 2003 की मतदाता सूची को आधार बनाना चाहता है, जिसमें करीब 5 करोड़ मतदाता थे। उसके बाद जो मतदाता जोड़े गए हैं, उन्हें अब पहचान से जुड़े कई अनिवार्य दस्तावेज देने होंगे. जो मतदाता किसी कारणवश समय पर ये दस्तावेज नहीं दे पाएंगे, उनका नाम मतदाता सूची से काटा जा सकता है, जिससे वे अपने वोट के अधिकार से वंचित हो जाएंगे.उन्होंने कहा इस विशेष गहन पुनरीक्षण का पैमाना और तरीका असम में हुए एनआरसी (नागरिक रजिस्टर) अभियान जैसा है. असम में इस प्रकिया को पूरे करने में छह साल लगे, फिर भी वहां की सरकार ने एनआरसी को अंतिम सूची के रूप में स्वीकार नहीं किया. असम में 3.3 करोड़ लोग शामिल थे, जबकि बिहार में लगभग 8 करोड़ मतदाताओं को एक ही महीने में कवर करने की बात हो रही है—वह भी जुलाई के महीने में जब बिहार में मानसून और खेती-बाड़ी का व्यस्त समय होता है. यह भी सभी जानते हैं कि बिहार के लाखों मतदाता राज्य से बाहर काम करते हैं।

पूर्व भाजपा प्रखंड अध्यक्ष की पुण्य तिथि पर मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन

» भाजपा को सींचने में महती भूमिका निभाई थी सुरेश सिंह ने : गन्ना मंत्री

बीएनएम। मोतिहारी

जिस सोच के सुरेश कुमार सिंह थे उसके परिणामस्वरूप आज पार्टी बुलंदियों को प्राप्त कर रहा है। भारतीय जनता पार्टी को बढ़ाने में उनकी भूमिका को भुलाया नहीं जा सकता है। उक्त बाते बिहार सरकार के गन्ना उद्योग मंत्री कृष्णनंदन पासवान ने रविवार को कही। प्रखंड क्षेत्र के जसौली जमुनिया गांव के मध्य विद्यालय में भाजपा के पूर्व प्रखंड अध्यक्ष स्व सुरेश प्रसाद सिंह की 18 वीं पुण्यतिथि पर उनके पुत्र शेखर सिंह एव अंशु सिंह , बेटी सौम्या शेखर द्वारा निःशुल्क मेगा मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया था। जिसका उद्घाटन मंत्री पासवान, कल्याणपुर के पूर्व विधायक सचिंद्र प्रसाद सिंह,भाजपा नेता मयंकेश्वर सिंह , जदयू नेता दिव्यांशु भारद्वाज ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम के उदघाटन के बाद अतिथियों ने स्व सिंह के तैल्य चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दिया। इस बीच प्रसिद्ध हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ राकेश कुमार को मंत्री श्री पासवान द्वारा विशिष्ट चिकित्सक अवॉर्ड से नवाजा गया। उक्त अतिथियों ने फीता काटकर मेडिकल कैंप का उद्घाटन किया। इस मौके पर डॉ सौरभ कुमार गौतम , डॉ अलका कुमारी , डा के के झा , डॉ राजीव कुमार , डॉ कुणाल किशोर , डॉ दिव्यानी सिंह , डॉ कमलेश कुमार के अलावे उमेश कुमार सिंह , अधिवक्ता संटू सिंह , मनु सिंह सहित सैकड़ों मरीज और उनके अभिभावक उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंशु सिंह और संचालन आदित्य मानस ने किया।

वाहन जांच के दौरान चोरी के बाइक के साथ दो गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के पहाड़पुर थाना क्षेत्र के इंग्लिश चौक के समीप थानाध्यक्ष जितेंद्र कुमार के नेतृत्व में दरोगा संतोष कुमार जायसवाल व अमित कुमार रंजन ने वाहन जांच के दौरान चोरी की मोटरसाइकिल के साथ दो अपराधियों को गिरफ्तार किया हैं। गिरफ्तार अपराधियों में पश्चिमी चम्पारण जिले के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के बरवत गांव निवासी शंभू पासवान का पुत्र दीपक कुमार व मलाही थाना क्षेत्र के तेजपुरवा कुर्मी टोला गाँव निवासी स्व.भूटन साह का पुत्र ऋषिकेश कुमार शामिल हैं। इनके पास से पुलिस एक बिना नंबर प्लेट के काले रंग के अपाची मोटरसाइकिल बरामद किया हैं। जो पश्चिमी चम्पारण बेतिया जिला अंतर्गत मझौलिया थाना क्षेत्र से चोरी की गई थी। पुलिस इनसे पूछताछ के आधार पर चोरी की अन्य बाइक की बरामदगी व गिरोह के अन्य सदस्यो की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है।

हरसिद्धि थाना की गाड़ी से फरार हुआ नामजद अभियुक्त

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में हरसिद्धि पुलिस थाना की गाड़ी से पकड़ा गया नामजद अभियुक्त फरार हो गया है। जिससे पुलिस टीम पर अंगुली उठ रही है। बताया जा रहा है कि जब नामजद अभियुक्त भागा उस गाड़ी पर हरसिद्धि थाना के दो दो दारोगा सहित सशस्त्र बल के जवान थे। जिसको लेकर इलाके मे तरह तरह कि चर्चाएं हो रही है। बताया जाता है कि पानापुर तधवा टोला के चिकित्सक डॉ अजित कुमार सिंह के घर पर चढ़कर दिसंबर 2024 मे मारपीट कर घर से बहु बेटियो कि जेवरात लूटी गई थी। उसी मामले के अभियुक्त को पकड़ने बीती रात हरसिद्धि पुलिस पानापुर ताधावा टोला पहुंची। जहाँ अभियुक्त रवि कुमार को पकड़ने के दौरान पुलिस बल के साथ उसके परिजन हंगामा किये। पुलिस रवि कुमार को पकड़ कर गाड़ी पर बैठा लिया। इसी दौरान जब वहां से पुलिस गाड़ी चली तो गाड़ी पर रवि नही था। सवाल उठता है कि गाड़ी पर पुलिस पदाधिकारी व पुलिस जवान है। तो फिर कैसे रवि भागा। भागा तो न तो जवानो ने हल्ला किया और न ही पदाधिकारियो ने।पूरा मामला चर्चा का विषय बना हुआ है। इस सम्बन्ध मे अरेराज डीएसपी रंजन कुमार ने बताया कि मामले कि जाँच कि जा रही है।

एलएनडी कॉलेज के राजीव कुमार बने प्रमंडलीय अध्यक्ष

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार राज्य विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय शिक्षकेत्तर कर्मचारी संघ का 28वां महाधिवेशन पटना स्थित अरविंद महिला कॉलेज में विगत 26 जून से 28 जून तक आयोजित हुआ। इस अधिवेशन का उद्घाटन राज्यपाल डॉ. आरिफ मो. खान ने किया जबकि शिक्षा मंत्री सुनील कुमार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अधिवेशन में पूर्वी चम्पारण जिले के मोतिहारी शहर स्थित लक्ष्मी नारायण दुबे महाविद्यालय के प्रशाखा पदाधिकारी राजीव कुमार को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर बिहार विश्वविद्यालय, मुजफ्फरपुर के 39 अंगीभूत कॉलेज के कर्मियों ने प्रक्षेत्रीय अध्यक्ष के रूप में चुना जबकि इसी कॉलेज के संजीव किशोर को कार्यकारणी सदस्य के रूप निर्वाचित किया गया। इस अवसर पर राजीव कुमार ने कहा कि पूरे तिरहुत प्रमंडल के कर्मियों ने जिस उम्मीद से मुझे अपना अध्यक्ष बनाया है उनके उम्मीदों पर खड़ा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा और हर एक समस्या का निदान करवाने का प्रयास करूंगा। इन दोनों के निर्वाचन से शहर के महाविद्यालय कर्मियों में हर्ष का माहौल है। एलएनडी कॉलेज प्राचार्य प्रो. (डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा ने बधाई देते हुए कहा कि राजीव कुमार और संजीव किशोर ने महाविद्यालय को राज्य स्तर पर प्रतिष्ठित करने का काम किया हैं। महाविद्यालय मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने शुभकामनाएं देते हुए बताया कि पूरे महाविद्यालय को इनलोगों के निर्वाचित होने से लाभ मिलेगा। इस अवसर पर डॉ. सुबोध कुमार, डॉ. दुर्वादल भट्टाचार्य, डॉ. जौवाद हुसैन, प्रो. दुर्गेश मणि तिवारी, डॉ. कुमार राकेश रंजन, प्रो. अरविंद कुमार, डॉ. दीपक कुमार, प्रो. राकेश रंजन कुमार, डॉ. के.के कृष्णा, डॉ. संतोष बिश्नोई, डॉ. अनिता कुमारी, डॉ. मनीषा कुमारी, डॉ. कविता कुमारी, डॉ. बबीता कुमारी, डॉ. भुवनेश्वर सिंह, कामेश भूषण, अमित कुमार, मणिभूषण, आशुतोष कुमार, आलोक पांडे, अखिलेश कुमार, एमएस कॉलेज के प्रमोद कुमार, राजू सिंह, हर्षवर्धन कुमार, एसएनएस कॉलेज के रामकृष्ण, विजय कुमार, यशवंत कुमार, कुणाल कुमार, प्रमोद कुमार सहित अन्य ने भी बधाइयां देते हुए हर्ष व्यक्त किया है।

दो वारंटी गिरफ्तार

बीएनएम। बगहाः बगहा पुलिस जिला के गंडक पार स्थित भितहा थाना पुलिस ने वारंटियों की गिरफ्तारी को लेकर छापेमारी अभियान शुरु कर दी है। तथा छापेमारी के दौरान दो वारंटियों को गिरफ्तार किया है। भितहा थानाध्यक्ष राकेश कुमार ने बताया कि वारंटियों, फरारियों के विरुद्ध चलाई जा रही छापेमारी अभियान में दो वारंटियों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि शनिवार की रात छापेमारी अभियान चला कर वारंटी रविन्द्र राय पिता गोपाल राय को थाना क्षेत्र के भरपटिया गांव से तथा सतन कुशवाहा पिता राजेंद्र कुशवाहा को धुनियापटी गांव से गिरफ्तार किया गया। थानाध्यक्ष ने बताया कि गिरफ्तार दोनों वारंटियों को न्यायिक हिरासत में बगहा भेजा जा रहा है। भितहा थाना पुलिस की इस कार्रवाई से वारंटियों और फरारियों में हडकंप मच गया है।

हमारी सरकार 60 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक पुरुष और महिला को देगी 2000 रुपये मासिक : प्रशांत किशोर

बीएनएम। बेतिया

जन सुराज के सूत्रधार प्रशांत किशोर अपनी 'बहिर बदलाव यात्रा' के तहत लगातार अलग-अलग जिलों और प्रखंडों में लोगों से संवाद कर रहे हैं और स्थानीय पत्रकारों से भी बात कर रहे हैं। इसी कड़ी रविवार को उन्होंने पश्चिम चंपारण के बैरिया प्रखंड में आयोजित बिहार बदलाव सभा को संबोधित किया। अपने संबोधन में प्रशांत किशोर ने कहा कि मैं पिछले 3 सालों से बिहार के गांव-गांव घूम रहा हूं लेकिन बच्चों के शरीर पर सूती कपड़ा या पैरों में चप्पल नहीं है। इसीलिए आपको अपने बच्चों की चिंता करनी है, कोई नेता आपके बच्चों की चिंता नहीं करेगा। उन्होंने उदाहरण देते हुए समझाया कि बिहार के लोगों को लालू जी से सीखना चाहिए कि बच्चों की चिंता क्या होती है। उन्होंने कहा कि लालू जी का बेटा 9वीं पास भी नहीं किया है, फिर भी वह चाहते हैं कि उनका बेटा राजा बने और दूसरी तरफ बिहार के लोग जिनके बच्चे मैट्रिक, बी.ए. , एम.ए. कर चुके हैं, फिर भी उन्हें नौकरी नहीं मिल रही है। प्रशांत किशोर ने कहा कि दिसंबर 2025 से 60 वर्ष से अधिक आयु के प्रत्येक पुरुष और महिला को 2000 रुपये मासिक पेंशन, 15 वर्ष से कम आयु के बच्चों को निजी स्कूलों में भी मुफ्त शिक्षा मिलेगी उन्होंने कहा कि इस साल छठ के बाद बैरिया, चंपारण के युवाओं को 10-12 हजार रुपये की मजदूरी करने के लिए अपना घर-परिवार छोड़कर नहीं जाना पड़ेगा। इसके साथ ही उन्होंने बड़ा ऐलान किया कि जब तक सरकारी विद्यालयों में सुधार नहीं हो जाएगा, तब तक आप अपने 15 साल से कम उम्र के बच्चों को निजी स्कूलों में पढ़ाएं और उनकी फीस सरकार भरेगी ताकि गरीब का बच्चा भी अंग्रेजी मीडियम स्कूल में पढ़ सके। इसके साथ ही उन्होंने बैरिया की जनता से अपील की कि उन्हें और उनके बच्चों को लूटने वाले नेताओं को वोट न दें। अगली बार अपने बच्चों के लिए वोट दें और बिहार में जनता का राज स्थापित करें। बिहार में व्यवस्था परिवर्तन कर जनता का राज स्थापित करने के लिए नेताओं का चेहरा देखकर वोट न करें। चुनाव में वोट लालू, नीतीश और मोदी के चेहरे पर नहीं अपने बच्चों के चेहरे को देखकर दीजिएगा। अगली बार अपने बच्चों की शिक्षा और रोजगार के लिए वोट करें।

समकालीन अभियान में दस आरोपित गिरफ्तार, हत्या के प्रयास के तीन आरोपी भी शामिल

बीएनएम। तुरकौलिया

थाना क्षेत्र में चलाए जा रहे समकालीन अभियान के तहत पुलिस ने दस आरोपितों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। इनमें हत्या के प्रयास से जुड़े तीन आरोपी भी शामिल हैं। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि हत्या के प्रयास मामले में जयसिंहपुर चिउटही निवासी नंदलाल साहनी (कांड संख्या 222/25), अंजार आलम (थाना कांड संख्या 220/25) और सेमरा वेलवतिया निवासी रविंद्र महतो को गिरफ्तार किया गया है। अन्य गिरफ्तार आरोपितों में सेमरा वेलवतिया निवासी नौशाद आलम, कवलपुर डीह निवासी अंकुर कुमार, जयसिंहपुर चिलराव निवासी वारंटी प्रमोद राय, हातिम मियां, आलम मियां, बादशाह मियां और अशरफी टोला निवासी हारमुन साह शामिल हैं। सभी आरोपितों को संबंधित मामलों में गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि फरार और वारंटी अभियुक्तों की धरपकड़ के लिए लगातार छापेमारी जारी है।

सर्पदंश से युवक की हुई मौत

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में पहाड़पुर थाना क्षेत्र के पहाड़पुर गांव में सर्पदंश से एक युवक की ईलाज के दौरान मौत हो गई। मृतक की पहचान उक्त गांव निवासी रामजी पाण्डेय के पुत्र नरेश पाण्डेय के रुप में हुई हैं। मिली जानकारी के अनुसार नरेश अपने खपड़ैल घर मे बिस्तर पर शनिवार के दोपहर आराम कर रहा था,इसी दौरान एक जहरीले सांप ने डंस लिया। जिसके बाद पीड़ित स्वयं साईकिल चलाकर स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचा जहां से चिकित्सकों ने एमजेके हॉस्पिटल बेतिया रेफर कर दिया,जहां ईलाज के दौरान रविवार को उसकी मौत हो गई। घटना के बाद ग्रामीणों ने जहरीले सांप मार दिया है।नरेश का शव एमजेके हॉस्पिटल में पोस्टमार्टम के बाद उसके घर पहुंचते ही कोहराम मच गया। गांव में मातमी सन्नाटा पसरा है। परिजनों का रो-रो बुरा हाल है। बताया गया है,कि नरेश मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करता था। मृतक अपने पीछे पत्नी व तीन पुत्री को छोड़ गया हैं।

भाई के सामने नाबालिग से किया दुष्कर्म,एक गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

जिले के बंजरिया थाना क्षेत्र में एक शर्मसार करने वाली घटना सामने आई है।जहां भाई के सामने ही नाबालिग बहन से दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया गया। बताया गया कि पीड़िता अपने भाई के साथ बाईक पर सवार होकर बंजरिया थाना क्षेत्र स्थित एक गांव में अपने बहन के घर जा रही थी। इसी दौरान बाईक को रोक कर उसे उतारने के बाद दुष्कर्म किया गया। घटना चैलाहां चौक से फुलवार जाने वाले मुख्य मार्ग में बरवाडीह पुल के समीप की बतायी गई है। घटना की सूचना मिलते ही बंजरिया थानाध्यक्ष रमेश कुमार महतो, अपर थानाध्यक्ष त्रिभुवन कुमार सहित सशस्त्र बल घटनास्थल पर पहुंच कर पीड़ित बच्ची को ईलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां वह इलाजरत है।वही पुलिस ने घटना को लेकर तत्वरित कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है।जिसकी पहचान सिसवनिया गांव के शेख शकील के रूप में हुई है। बताया जा रहा है,कि बच्ची की चीखने की आवाज सुनकर राहगीर ग्रामीणो ने पहुंचकर बच्ची को बचाया और आरोपी की जमकर पिटाई की। घटना को लेकर सुगौली थाना क्षेत्र निवासी पीड़िता की मां ने आवेदन देकर गिरफ्तार आरोपी शेख शकील को नामजद व अन्य अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराते हुए बताया है,कि पीड़ित बच्ची अपने भाई के साथ बाईक से अपने बहन के घर जा रही थी, इसी दौरान पहले से बीच सड़क पर बाइक लगा कर बैठे शेख शकील ने बाइक को घेर कर चाभी निकाल लिया और बच्ची को चाकू का भय दिखाते हुए उतराने लगा, जब भाई ने विरोध किया तो बीच सड़क पर उसको पटक कर बुरी तरह घायल कर दिया और बच्ची को चाकू का भय दिखाते हुए सड़क के नीचे ले जाकर घटना को अंजाम दिया थानाध्यक्ष ने बताया कि मामले में एक नामजद आरोपी को गिरफ्तार किया गया है, अन्य लोगो की पहचान कर उनके विरूद्ध छापेमारी किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

सिमरी बख्तियारपुर के वार्ड संख्या 10 में 67.28% मतदान

प्रातः आवाज : सिमरी बख्तियारपुर (सहरसा): नगर परिषद क्षेत्र के वार्ड संख्या 10 में शनिवार को वार्ड पार्षद पद के लिए उपचुनाव शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुआ। कुल 1669 पंजीकृत मतदाताओं में से 1123 मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया, जिससे कुल मतदान प्रतिशत 67.28% दर्ज किया गया। मतदान को लेकर मतदाताओं में खासा उत्साह देखा गया। सुबह 7 बजे से ही मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की कतारें लगनी शुरू हो गई थीं।मतदान केंद्र मध्य विद्यालय सिमरी में दो भागों—10/1 (उत्तरी भाग) और 10/2 (दक्षिणी भाग)—में वोटिंग कराई गई। प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। मतदान केंद्रों पर सुरक्षा बलों की तैनाती के साथ-साथ सीसीटीवी कैमरों और निगरानी टीमों की भी व्यवस्था की गई थी, जिससे संपूर्ण प्रक्रिया पारदर्शी और निष्पक्ष तरीके से संपन्न हो सके।मतदान के दौरान कुल 1123 मतदाताओं में 588 महिलाएं और 535 पुरुष शामिल रहे।इस बीच सिमरी बख्तियारपुर एसडीपीओ मुकेश कुमार ठाकुर स्वयं मतदान केंद्र पर पहुंचे और मतदान प्रक्रिया की निगरानी की। उन्होंने मतदान केंद्रों की सुरक्षा व्यवस्था की सराहना की और कहा कि संपूर्ण मतदान शांतिपूर्ण और व्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ है। उन्होंने किसी भी तरह की अप्रिय घटना से इनकार करते हुए इसे प्रशासन और जनता के सहयोग का परिणाम बताया।

भाजपा ने गोविन्दगंज में बूथ सशक्तिकरण अभियान पर की गहन चर्चा, कार्यकर्ताओं में दिखा जोश

बीएनएम। अरेराज : भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अरेराज ग्रामीण, नगर और संग्रामपुर मंडल की मंडल कार्यसमिति की बैठक शुक्रवार को सलहां स्थित नित्यम होटल में संपन्न हुई। बैठक का शुभारंभ भाजपा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष एवं बिहार संस्कृत शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष श्री मृत्युंजय झा सहित अन्य वरिष्ठ नेताओं ने दीप प्रज्ज्वलन कर किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर बूथ स्तर पर संगठन को और अधिक मजबूत करना था। इस दौरान बूथ सशक्तिकरण अभियान, मतदाता संपर्क अभियान और नीतिगत रणनीतियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। नेताओं ने जोर देकर कहा कि पार्टी की ताकत जमीनी कार्यकर्ताओं में निहित है, और मजबूत बूथ ही विजय की नींव होते हैं। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष पवन राज, विधानसभा संयोजक संजय पांडेय, वरिष्ठ नेता अनिल राय एवं विवेकानंद पांडेय, आईटी एवं सोशल मीडिया जिला संयोजक पंकज सिन्हा, जिला कार्यालय मंत्री सियाबर सिंह, अरेराज मंडल महामंत्री राजाबाबू सिंह ,जिला मंत्री सूरज पांडेय, एवं मंडल अध्यक्ष राधेश्याम साह, दीपक गिरी एवं दीपेन्द्र कुमार सहित पार्टी के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। बैठक में कार्यकर्ताओं के बीच जबरदस्त उत्साह देखने को मिला। सभी ने एकजुट होकर संगठन को बूथ स्तर से मजबूत करने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश जिस विकास पथ पर अग्रसर है, उसे गांव-गांव तक पहुँचाने की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं की है

एसएसबी कोडीनयुक्त कफ सिरप के साथ एक को किया गिरफ्तार

बीएनएम। अररिया। एसएसबी 56वीं वाहिनी की जोगबनी की समवाय टीम ने मीरगंज वार्ड संख्या 22 में गुप्त सूचना पर छापेमारी कर ऑटो रिक्शा पर लदे 887 बोतल कोडीनयुक्त कफ सिरप और एक मोबाइल के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया। टीम का नेतृत्व इंस्पेक्टर सुशील कुमार उपाध्याय और आठ जवानों की टीम ने यह कार्रवाई की।एसएसबी जवानों ने मामले में ऑटो पर सवार जोगबनी थाना क्षेत्र के बथनाहा अमौना वार्ड संख्या 21 निवासी 27 वर्षीय मो.हसीब पिता मो.सादिक को गिरफ्तार किया।प्रतिबंधित कोडीनयुक्त कफ सिरप फारबिसगंज के हरिपुर गांव से ऑटो से जोगबनी ले जाया जा रहा था। एसएसबी जवानों ने ऑटो रिक्शा संख्या बीआर 38 पी/6594 जब्त किया है।एसएसबी जवानों ने बॉर्डर के भारतीय सीमा क्षेत्र के डेढ़ किलोमीटर के अंदर कार्रवाई की। एसएसबी ने जब्त प्रतिबंधित कोडीन युक्त कफ सिरप,ऑटो,मोबाइल और गिरफ्तार तस्कर को जोगबनी थाना के हवाले कर दिया।

छापेमारी के विरोध में ग्रामीणों ने किया थाने का घेराव

» नक्सली समझकर पुलिस पर किया गया पथराव

» शराब कारोबारी समेत भाई को भी पुलिस ने किया गिरफ्तार, ग्रामीण हुए उग्र

» शनिवार की रात में पुलिस ने की थी कोड़ासी गांव में छापेमारी

बीएनएम। सिकंदरा

सिकंदरा में लोगो को समझाती पुलिस

सिकंदरा थाने का घेराव करते ग्रामीण

नक्सल प्रभावित गांव कोड़ासी में शनिवार की रात्रि लगभग 12:00 बजे लछुआड़ थाने पुलिस द्वारा की गई छापेमारी के विरोध में रविवार को कोड़ासी गांव के सैकड़ो आदिवासी समाज ने लछुआड़ थाने का घेराव कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। बता दे कि अक्सर पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठ रहे है। जमुई जिले का कोड़ासी गांव नक्सलियों से भयभीत गांव माना जाता है। नक्सलियों से लोहा लेने वाला गांव कोड़ासी में 2010 में पुलिस की वर्दी में नक्सलियों ने हमला कर 11 लोगों की निर्मम हत्या करते हुए पूरे गांव में आग लगा दी थी । आज भी यहां आदिवासी समाज के लोग भयभीत होकर जीते हैं। लेकिन लछुआड़ पुलिस शराब मामले के अभियुक्त को पकड़ने रात्रि 12:00 बजे कोड़ासी गांव पहुंचकर कई घरों में छापेमारी की। अभियुक्त को पकड़ने के साथ उसके भाई को भी पुलिस ने पकड़ लिया। रात्रि में अभियुक्त को खदेड़ने के दौरान पूरे गांव में दहशत का माहौल उत्पन्न हो गया। पुलिस को नक्सली समझकर लोगों ने पुलिस पर पथराव करना शुरू कर दिया। इस हमले में पुलिस के वाहन भी क्षतिग्रस्त हो गया।

महिलाओं ने पुलिस पर बदतमीजी का भी लगाया आरोप

प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने आरोप लगाते हुए कहा कि थाने का अवर निरीक्षक विपिन कुमार पालटा ने आदिवासी महिलाओं के साथ बदतमीजी कर गाली गलौज भी की है। महिलाओं के साथ बदतमीजी एवं अभियुक्त के भाई के पकड़ने के आरोप में आदिवासी समाज के लोगों ने लछुआड़ थाने का घेराव कर जमकर प्रदर्शन किया। इस दौरान महिलाओं ने कई गंभीर आरोप भी पुलिस पर लगाये है। वहीं थाने का घेराव करने के दौरान आदिवासी समाज के महिला पुरुषों ने ढोल बजाते हुए पुलिस का विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि रात्रि में पुलिस गांव पहुंचकर सोये अवस्था में महिला, पुरुष, बच्चे को भयभीत में डाल देते हैं। अभियुक्त के साथ उसके भाई को पुलिस थाने लाई है। इसी के विरोध में थाने का घेराव किया गया है।

प्रदर्शन के बाद अभियुक्त के भाई को पुलिस ने छोड़ा

प्रदर्शन के बाद पुलिस ने अभियुक्त के भाई को रविवार को करीब 11:00 बजे छोड़ा है। जानकारी के मुताबिक लछुआड़ पुलिस शराब मामले का अभियुक्त नरेश कोड़ा को कोड़ासी गांव में देर रात गिरफ्तार करने पहुंची। इस दौरान पुलिस ने कई घरों के दरवाजे को खटखटाया और अभियुक्त को खदेड़ना शुरू कर दिया। जिसमें गांव के लोग जाग गए और रात के अंधेरे में बिजली गुल रहने के कारण लोग इधर-उधर भागने लगे। भयभीत लोग पुलिस पर बचाव में पथराव भी करने लगे। जिसमें पुलिस वाहन क्षतिग्रस्त हो गया। अभियुक्त के भाई के देवानंद कोड़ा की गिरफ्तारी एवं रात्रि में छापेमारी के विरोध में गुस्सा आए महिला पुरुष लछुआड़ थाना पहुंचकर जमकर हंगामा किया। वहीं सूचना पाकर पुलिस निरीक्षक शशि भूषण कुमार लछुआड़ थाना पहुंचे। तब तक मामला शांत हो चुका था।

भीषण गर्मी में पदुमकेर पंचायत प्यासा, नल-जल योजना पूरी तरह फेल

बीएनएम। पताही

प्रखंड क्षेत्र के पदुमकेर पंचायत समेत नारायणपुर, रंगपुर और जारदहां गांवों में पेयजल संकट गंभीर रूप ले चुका है। बढ़ती गर्मी के साथ जलस्तर तेजी से घटता जा रहा है, जिससे चापाकलों से पानी निकलना बंद हो गया है। वहीं बिहार सरकार की हर घर नल-जल योजना पूरी तरह से ठप हो चुकी है। गांवों में जलमीनार सिर्फ शोभा की वस्तु बनकर रह गए हैं।

पानी के लिए भटकते ग्रामीण, नल-जल योजना ठप-पदुमकेर पंचायत के अधिकांश वार्डों में नल-जल की पाइपलाइन, मोटर और टंकियां महीनों से खराब हैं। नल-जल योजना से एक बूंद पानी नहीं आ रहा है। इससे ग्रामीणों को पानी के लिए इधर-उधर भटकना पड़ रहा है। चापाकल भी अब जवाब देने लगे हैं, जिससे संकट और गहरा गया है।

जनप्रतिनिधि और अधिकारी लापरवाह-ग्रामीणों का आरोप है कि पंचायत प्रतिनिधि और स्थानीय प्रशासन को कई बार शिकायत दी गई, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। न मरम्मती हो रही है और न ही वैकल्पिक व्यवस्था की गई है।

पेयजल संकट बना जानलेवा-स्थिति इतनी खराब हो चुकी है कि ग्रामीण पानी के बिना जीवन संकट में बता रहे हैं। कई परिवारों को कई किलोमीटर दूर से पानी लाना पड़ रहा है। महिलाएं और बच्चे सुबह से शाम तक पानी की तलाश में भटकते रहते हैं।

ग्रामीणों की मांग - जल्द शुरू हो नल-जल योजना-स्थानीय ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि नल-जल योजना को जल्द चालू किया जाए और पेयजल की व्यवस्था बहाल की जाए, नहीं तो वे आंदोलन का रास्ता अख्तियार करेंगे।

स्थानांतरण पर दो शिक्षकों को भावभीनी विदाई, छात्रों ने की फूलों की वर्षा

बीएनएम। पताही

प्रखंड के नवसृजित प्राथमिक विद्यालय बेलाहीराम पूर्वी में कार्यरत शिक्षकों अनवरी अहमद एवं गोपाल कुमार के स्थानांतरण पर विद्यालय परिवार की ओर से विदाई सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस मौके पर दोनों शिक्षकों को भावभीनी विदाई दी गई। स्थानांतरण के तहत गोपाल कुमार अब जीपीएस खेखरिया, रक्सौल (जिला-पूर्वी चंपारण) में तथा अनवरी अहमद प्राथमिक विद्यालय सुगिया बाजार टोला, जिला शिवहर में अपनी सेवा देंगे। प्रधानाध्यापक विनोद कुमार ने दोनों शिक्षकों को फूल माला, अंग वस्त्र, बुके, डायरी एवं अन्य उपहार सामग्री देकर सम्मानित किया। विदाई के दौरान दोनों शिक्षक भावुक हो गए। उन्होंने कहा कि, "विद्यालय परिवार एवं पोषक क्षेत्र के अभिभावकों से जो स्नेह और सहयोग मिला, उसे कभी भुलाया नहीं जा सकता।" विदाई के क्षण को और खास बना दिया छात्रों ने, जिन्होंने फूलों की वर्षा कर अपने प्रिय शिक्षकों को विदा किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से शिक्षक रीना कुमारी, प्रतिभा कुमारी, शिक्षा सेवक मो. तबरेज, विनोद बैठा, मुजीबुर्रहमान, विद्यालय की रसोइया तथा ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

दरभंगा-मुंबई रूट पर अकासा एयर की नई उड़ान पहली जुलाई से

» सस्ती दरों और सुविधाजनक सेवा मिलेगी

बीएनएम। पटना/दरभंगा

बिहार से मुंबई हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। अकासा एयर ने दरभंगा और मुंबई के बीच 1 जुलाई 2024 से अपनी नई दैनिक उड़ान सेवा शुरू करने की घोषणा की है। इस सेवा के शुरू होने से यात्रियों को अब स्पाइसजेट के अलावा एक और बेहतर विकल्प मिलेगा, साथ ही किराया भी प्रतिस्पर्धी रहेगा।अकासा एयर की यह उड़ान 180 सीटों वाली इकोनॉमी क्लास विमान से संचालित होगी और इसका प्रारंभिक किराया मात्र 5000 तय किया गया है, जो कि इस रूट पर अब तक के किरायों से किफायती माना जा रहा है।

उड़ान का समय इस प्रकार है

- क्यूपी 1529: मुंबई से दरभंगा – सुबह 10:55 बजे प्रस्थान, दोपहर 1:30 बजे आगमन
- क्यूपी 1530: दरभंगा से मुंबई – दोपहर 2:10 बजे प्रस्थान, शाम 4:45 बजे आगमन

यह समय सारिणी व्यापारिक यात्रियों और आम यात्रियों दोनों के लिए सुविधाजनक मानी जा रही है।अभी तक इस रूट पर स्पाइसजेट एकमात्र सेवा प्रदाता थी, जिससे यात्रियों को विकल्प की कमी और महंगे किराए का सामना करना पड़ता था। अब अकासा एयर के प्रवेश से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी और यात्रियों को किफायती कीमत पर बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी।यह कदम दरभंगा एयरपोर्ट की उपयोगिता और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को नई दिशा देगी।

लखीसराय नगर परिषद उपचुनाव की मतगणना आज

» सुरक्षा के कड़े इंतजाम

बीएनएम। लखीसराय

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान डाइट भवन

30 जून को लखीसराय जिले के नगर परिषद क्षेत्रों में हुए उपचुनाव की मतगणना जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट), लखीसराय में सुबह 6 बजे से प्रारंभ होगी। शांतिपूर्ण और व्यवस्थित मतगणना के लिए सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। मतगणना स्थल को कंटीले तार और बैरिकेडिंग से चारों ओर घेर दिया गया है, ताकि अनधिकृत व्यक्ति प्रवेश न कर सकें मतगणना परिसर के मुख्य द्वार पर दंडाधिकारी और सशस्त्र पुलिस बल की तैनाती रहेगी, जो पासधारी पदाधिकारियों, मीडिया कर्मियों और अधिकृत अभिकर्ताओं को ही जांच उपरांत प्रवेश की अनुमति देंगे। मतगणना हॉल में प्रवेश करने वाले सभी व्यक्तियों की सघन जांच की जाएगी और किसी प्रकार की आपत्तिजनक सामग्री को भीतर नहीं ले जाने दिया जाएगा।मतगणना के दौरान विधि-व्यवस्था संधारण के लिए गश्ती दल, फायर ब्रिगेड और चिकित्सकीय टीम को भी प्रतिनियुक्त किया गया है। एंबुलेंस सहित चिकित्सक दल नियंत्रण कक्ष में मौजूद रहेगा। ट्रैफिक व्यवस्था बनाए रखने की जिम्मेदारी यातायात डीएसपी अजय कुमार को दी गई है।विजय जुलूस और हर्ष फायरिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया गया है। सोशल मीडिया पर भ्रामक या भड़काऊ पोस्ट पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी और आईटी एक्ट के तहत कार्रवाई की जाएगी। मतगणना संचालन की वरीय जिम्मेदारी उप विकास आयुक्त सुमित कुमार को सौंपी गई है।

विधायक चेतन आनंद ने शिवहर में बांटा जनसंपर्क का संदेश

» जनसुनवाई और संगठन की बैठक में लिया भाग

बीएनएम। शिवहर

स्थानीय विधायक चेतन आनंद रविवार को शिवहर जिले के भ्रमण पर रहे। उन्होंने विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेकर आमजन से मुलाकात की, दुख-सुख साझा किया और संगठनात्मक दिशा में भी आवश्यक विमर्श किया। अपने दौरे की शुरुआत उन्होंने विसुनपुर मान सिंह निवासी अरुण सिंह के चाची के निधन पर शोक संवेदना प्रकट कर की। विधायक ने शोक संतप्त परिजनों से मिलकर ढांढस बंधाया और कहा कि दुख की इस घड़ी में वे परिवार के साथ खड़े हैं। इसके पश्चात तरियानी के सांसद प्रतिनिधि अजित कुमार सिंह उर्फ मुन्ना की मां के निधन पर आयोजित शोकसभा में शामिल हुए और उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद मथुरापुर पहुंचे, जहां पूर्व प्रमुख मोती खान से मुलाकात की और स्थानीय जनसमस्याओं की जानकारी ली। उन्होंने उपस्थित लोगों को भरोसा दिलाया कि शिवहर न केवल उनकी, बल्कि उनके माता-पिता की भी कर्मभूमि रही है। जनता की समस्या को अपनी नैतिक जिम्मेदारी बताते हुए उन्होंने इसके समाधान का भरोसा दिलाया। दौरे के अंत में विधायक चेतन आनंद ने पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर आगामी विधानसभा चुनाव की रणनीति पर विमर्श किया और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इस मौके पर ताजपुर सरपंच मुकेश कुमार सिंह, कौशल कुशवाहा, सुगिया पंचायत समिति सदस्य संतोष कुमार सिंह, रामनरेश सिंह, अजित सिंह, रामनरेश साह, साहेब सिंह, उदय सिंह, रामनाथ पासवान और नागेन्द्र यादव समेत कई कार्यकर्ता मौजूद थे।

नाराज ई रिक्शा चालकों ने की बैठक

बीएनएम। जमुई /झाझा

रविवार को बारोवारी दुर्गामंदिर परिसर में ई रिक्शा चालक संघ की ओर से पार्किंग के नाम ई रिक्शा चालकों से अधिक रुपए लिए जाने से नाराज ई रिक्शा चालकों ने बैठक गई। अध्यक्षता संघ के अध्यक्ष राजू यादव ने की। संघ के सचिव ललन पासवान, विकास रावत ने भी पार्किंग के लिए अधिक रुपए चालको से वसूलने पर कहा कि चालक सुबह घर से निकलता है और सवारी भी अपने वाहन पर बैठाते नही है और तुरन्त उससे पार्किंग का रुपए मांगना शुरू कर देता है और जब चालक पार्किंग रुपए नही देता है तो चालक के साथ अभद्र व्यवहार किया जाता है। कहा कि 15 रुपए पार्किंग की जगह 35-50 रुपए मनमानी ढंग से लिए जाते हैं । इसलिए सरकार से भी मांग करते है कि इस मामले पर जल्द से जल्द एक्शन ले और हमलोगों के लिए सुविधा उपलब्ध की जाए। बैठक में नगर परिषद की ओर से पार्किंग की जो तय राशि है उससे दुगुना राशि लिए जाने पर लोगों ने आक्रोश व्यक्त किया। अध्यक्ष ने बताया कि सबसे पहले यहां पर अन्य प्रखंड के ई रिक्शा चालक आकर अपना वाहन चला रहा है। इसके अलावे सभी ई रिक्शा चालकों को पहचान पत्र बनवाने के लिए भी कहा गया। लेकिन वह भी चालक नही कर रहे। इसके अलावा उन्होंने रेलवे स्टेशन के समीप चालकों के लिए शेड, पेयजल सहित अन्य सुविधाएं मुहैया करवाने की मांग नगर परिषद व रेलवे प्रशासन से की।

नगर निगम क्षेत्र में 100 स्थानों पर तीन करोड़ से बनेगी शीतल प्यायु संयंत्रः गरिमा

» महापौर के नेतृत्व में स्थल चयन समिति के सदस्यों की उपस्थिति में किया गया डिमोस्ट्रेशन

नगर निगम बोर्ड से पारित प्रस्ताव को कार्यरूप देने की निविदा का अंतिम चरण में है निपटारा की कार्रवाई

बीएनएम। बेतिया

स्थल निरिक्षण करते महापौर गरिमा देवी

महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने कहा कि नगर निगम क्षेत्र में 100 चयनित सार्वजनिक स्थानों पर शीतल प्यायु संयंत्र लगाए जाएंगे। इसके प्रत्येक यूनिट पर लगभग तीन तीन लाख के तौर पर कुल करीब तीन करोड़ की लागत आएगी। महापौर श्रीमती सिकारिया ने यह भी बताया कि नगर निगम बोर्ड से पारित संबंधित प्रस्ताव को कार्यरूप देने के लिए ई. टेंडरिंग विधि से जारी निविदा का निपटारा की कार्रवाई अंतिम चरण में है। शनिवार को महापौर गरिमा देवी सिकारिया के नेतृत्व में स्थल चयन समिति के सदस्यों की उपस्थिति में स्वीकृत योजना का डिमोस्ट्रेशन दुर्गा बाग़ मंदिर में किया गया। इस मौके पर महापौर श्रीमती सिकारिया ने कहा कि आरो संयंत्र युक्त बड़े आकार का पेयजल स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। महापौर श्रीमती सिकारिया ने बताया कि इस सुविधा का पहला ट्रायल आध्यामिक महत्व के महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थल नगर दुर्गा बाग मंदिर परिसर में किया गया है। इस कार्यक्रम में नगर आयुक्त लक्ष्मण तिवारी और सिटी मैनेजर अभिषेक कुमार भी इसमें सहभागिता रही। महापौर ने बताया कि प्रत्येक शीतल पेयजल स्टेशन यूनिट में 80-80 लीटर क्षमता वाला वॉटर कुलर, यूवी फिल्टर, 2 एचपी का मोटर पंप सेट के साथ, छह लेयर और 500 लीटर क्षमता वाले पानी टंकी, दो नल, टाइल्स का बेसिन, सिविल एवं प्लंबिंग का कार्य,मोटर के माध्यम से औसतन दो सौ फिट की गहराई से निकला गया पेयजल अत्याधुनिक वॉटर कूलिंग संयंत्र के माध्यम से पेयजल की नियमित आपूर्ति करेगा।इसके साथ ही प्रत्येक यूनिट के साथ सुसज्जित शीतल प्याउ संयंत्र स्थापित किए जाने की स्वीकृति नगर निगम बोर्ड द्वारा पारित प्रस्ताव के माध्यम से दी गई है। प्रथम चरण में ऐसे संयंत्र नगर निगम क्षेत्र में कुल 100 चिन्हित सार्वजनिक स्थानों स्थापित किए जाएंगे।.

नकदी की बरामदगी साफ कदाचार की घटना

भारत में जैसे भ्रष्टाचार को लगभग स्वीकृति सी मिल चुकी है, किसी भी विभाग में कोई भी काम कराना हो चपरासी से लेकर अफसर तक सबकी यथायोग्य भेंट पूजा को आम जनता ने खुशी से आत्मसात सा कर लिया है। आए दिन पड़ने वाले छापों में होने वाली ऊपर की कमाई की बरामदगी की खबरा से कोई नहीं चौंकता, लेकिन दिल्ली हाई कोर्ट के तत्कालीन जज जस्टिस यशवंत वर्मा के सरकारी आवास के स्टोर रूम में 14 मार्च की आधी रात को लगी आग बुझाने पहुंचे अग्निशमन कर्मियों को अधजले नोटों की गड्डियां मिलने की खबर जब आई थी तो सब चौंक गए थे। जज के घर से नकदी की बरामदगी साफ कदाचार की घटना थी, मगर कार्रवाई के नाम पर उन्हें वापस इलाहाबाद हाईकोर्ट भेज दिया गया। वर्मा खुद को निदरेष बताते हुए अपने खिलाफ षडयंत्र की बात कहते रहे। मामले की जांच के लिए गठित समिति की शुरुआती रिपोर्ट पर कार्रवाई करते हुए पूर्व प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना राष्ट्रपति द्रौपदी मुमरू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को पत्र लिखकर न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ महाभियोग चलाने की सिफारिश कर चुके हैं। अब जो ब्योरा सामने आया है; उसके तहत जांच समिति ने 10 दिन की पड़ताल और 55 गवाहों के बयान के आधार जज वर्मा के खिलाफ ठोस सबूत जुटाए हैं और उन्हें हटाने की सिफारिश की है। अब जो ब्योरा सामने आया है; उसके तहत जांच समिति ने 10 दिन की पड़ताल और 55 गवाहों के बयान के आधार जज वर्मा के खिलाफ ठोस सबूत जुटाए हैं और उन्हें हटाने की सिफारिश की है। 64 पन्नों की रिपोर्ट में समिति ने जस्टिस वर्मा की बेगुनाही की दलीलों को सिरे से खारिज कर दिया। अग्निकांड के अगले ही दिन तड़के कोठी से अधजले नोटों की सफाई कर देने की घटना ने बड़ा मात्रा में नकदी होने के संदेहों को पुख्ता कर दिया। रिपोर्ट में कहा कि जस्टिस वर्मा के घरेलू स्टाफ ने अपने मालिक के पक्ष में बयान दिए, लेकिन अग्निशमन और दिल्ली पुलिस के स्वतंत्र गवाहों के बयान से साफ है कि जज के सरकारी आवास पर 4-5 बोरियों में नोटों की गड्डियां थीं। परस्पर विरोधी बयानों का विश्लेषण करने के बाद समिति ने घरेलू कर्मचारियों का झूठ पकड़ लिया। समिति ने पाया कि जस्टिस वर्मा की दलीलें सच्चाई से कोसों दूर हैं। पाया गया कि स्टोर पर घर वालों का गुप्त या सक्रिय नियंत्रण था। घटना की एफआईआर न कराने और वर्मा के चुप्पी साध लेने से मामला खुल गया।

जगन्नाथ रथ यात्रा है भगवान क़ो पाने का पर्व

संजय गोस्वामी

हर साल आषाढ़ माह के शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि को भगवान जगन्नाथ की भव्य रथ यात्रा निकाली जाती है।देवताओं की मूर्तियों को तीन विशाल रथों में ले जाया जाता है जिन्हें उत्साहित भक्त खींचते हैं। यह उत्सव आषाढ़ (जून-जुलाई) महीने के पखवाड़े के दूसरे दिन शुरू होता है और नौ दिनों तक चलता है। इस यात्रा को रथ महोत्सव और गुंडिचा यात्रा के नाम से जाना जाता है। पंचांग के अनुसार, 2025 में तिथि 26 जून को दोपहर 1:24 बजे से शुरू हुआ और पुरे देश मैं धूमधाम से मनाई जा रही है जो 5मई तक चलेगा । पूरी के जगन्नाथपूरी मैं कहा जाता की भगवान श्री कृष्ण का दिल है दरअसल जब महाभारत मैं गांधारी जो एक पतिव्रता स्त्री थी गांधारी ने महाभारत मैं कौरवों के नाश के बाद भगवान श्री कृष्ण क़ो श्राप दिया था जिस तरह मेरे सारे पुत्रों कृष्ण के उकसाने पर मारे गए हैं तो तुम्हारे वंश का भी विनाश होगा भगवान कृष्ण चाहते तो इसे बचा सकते थे और कहा जाता है कि द्वारिका नगरी समुद्र मैं डूब गई और भगवान श्री कृष्ण किसी जंगल मैं सोये थे तो किसी जंगल मैं जानवर का एक शिकारी ने हिरण के शिकार के भ्रम मैं भगवान श्री कृष्ण के पाँव मैं तीर लग गई और तब शिकारी ने कहा कि गलती से भगवान ये बाण लगा मुझे माफ करें तब उन्होंने बताया की यह होना तय था और पिछले जन्म मैं तुम बाली थे और मैं भगवान श्री राम और मैंने तुम्हे धोखे से मारा था उसके बाद भगवान कृष्ण ने प्राण त्याग दिए और पांडवों ने भगवान कृष्ण का अंतिम संस्कार किया था।जिसमें अस्थि के साथ उनका दिल भी था समुद्र में प्रवाहित कर दि एक पौराणिक कथा के अनुसार, राजा इंद्रद्युम्न को स्वप्न में भगवान कृष्ण ने दर्शन दिए और अपनी अस्थियों वाला एक संदूक जिसमें दिल भी था जो पुरी में समुद्र किनारे मिलने की बात बताई। भगवान ने राजा को उस संदूक को उसी स्थान पर रखकर उसके ऊपर एक मंदिर बनवाने का आदेश दिया, जिसका नाम जगन्नाथ होगा। भगवान ने यह भी कहा कि मंदिर में कोई मूर्ति नहीं होगी और एक विद्वान को रखा जाएगा जो पवित्र गीता के अनुसार ज्ञान का प्रचार करेगा। राजा ने भगवान से मंदिर के स्थान को दिखाने का अनुरोध किया, और भगवान ने उन्हें वह स्थान दिखायाइस मंदिर का सबसे पहला प्रमाण महाभारत के वनपर्व में मिलता है। कहा जाता है कि सबसे पहले सबर आदिवासी विश्‍वावसु ने नीलमाधव के रूप में इनकी पूजा की थी। आज भी पुरी के मंदिरों में कई सेवक हैं जिन्हें दैतापति के नाम से जाना जाता है। राजा इंद्रदयुम्न मालवा का राजा था जिनके पिता का नाम भारत और माता सुमति था। राजा इंद्रदयुम्न को सपने में हुए थे जगन्नाथ के दर्शन। कई ग्रंथों में राजा इंद्रदयुम्न और उनके यज्ञ के बारे में विस्तार से लिखा है। उन्होंने यहां कई विशाल यज्ञ किए और एक सरोवर बनवाया। एक रात भगवान विष्णु ने उनको सपने में दर्शन दिए और कहा नीलांचल पर्वत की एक गुफा में मेरी एक मूर्ति है उसे नीलमाधव कहते हैं। तुम एक मंदिर बनवाकर उसमें मेरी यह मूर्ति स्थापित कर दो। राजा ने अपने सेवकों को नीलांचल पर्वत की खोज में भेजा। उसमें से एक था ब्राह्मण विद्यापति। विद्यापति ने सुन रखा था कि सबर कबीले के लोग नीलमाधव की पूजा करते हैं और उन्होंने अपने देवता की इस मूर्ति को नीलांचल पर्वत की गुफा में छुपा रखा है। वह यह भी जानता था कि सबर कबीले का मुखिया विश्‍वेवसु नीलमाधव का उपासक है और उसी ने मूर्ति को गुफा में छुपा रखा है। चतुर विद्यापति ने मुखिया की बेटी से विवाह कर लिया। आखिर में वह अपनी पत्नी के जरिए नीलमाधव की गुफा तक पहुंचने में सफल हो गया। उसने मूर्ति चुरा ली और राजा को लाकर दे दी। विश्‍वचवसु अपने आराध्य देव की मूर्ति चोरी होने से बहुत दुखी हुआ। अपने भक्त के दुख से भगवान भी दुखी हो गए। भगवान गुफा में लौट गए, लेकिन साथ ही राज इंद्रदयुम्न से वादा किया कि वो एक दिन उनके पास जरूर लौटेंगे बशर्ते कि वो एक दिन उनके लिए विशाल मंदिर बनवा दे। राजा ने मंदिर बनवा दिया और भगवान विष्णु से मंदिर में विराजमान होने के लिए कहा। भगवान ने कहा कि तुम मेरी मूर्ति बनाने के लिए समुद्र में तैर रहा पेड़ का बड़ा टुकड़ा उठाकर लाओ, जो द्वारिका से समुद्र में तैरकर पुरी आ रहा है। राजा के सेवकों ने उस पेड़ के टुकड़े को तो ढूंढ लिया लेकिन सब लोग मिलकर भी उस पेड़ को नहीं उठा पाए। तब राजा को समझ आ गया कि नीलमाधव के अनन्य भक्त सबर कबीले के मुखिया विश्‍वेवसु की ही सहायता लेना पड़ेगी। सब उस वक्त हैरान रह गए, जब विश्‍ववसु भारी-भरकम लकड़ी को उठाकर मंदिर तक ले आए। अब बारी थी लकड़ी से भगवान की मूर्ति गढ़ने की। राजा के कारीगरों ने लाख कोशिश कर ली लेकिन कोई भी लकड़ी में एक छैनी तक भी नहीं लगा सका। तब तीनों लोक के कुशल कारीगर भगवान विश्‍वकर्मा एक बूढ़े व्यक्ति का रूप धरकर आए। उन्होंने राजा को कहा कि वे नीलमाधव की मूर्ति बना सकते हैं, लेकिन साथ ही उन्होंने अपनी शर्त भी रखी कि वे 21 दिन में मूर्ति बनाएंगे और अकेले में बनाएंगे। कोई उनको बनाते हुए नहीं देख सकता। उनकी शर्त मान ली गई। लोगों को आरी, छैनी, हथौड़ी की आवाजें आती रहीं। राजा इंद्रदयुम्न की रानी गुंडिचा अपने को रोक नहीं पाई। वह दरवाजे के पास गई तो उसे कोई आवाज सुनाई नहीं दी। वह घबरा गई। उसे लगा बूढ़ा कारीगर मर गया है। उसने राजा को इसकी सूचना दी। अंदर से कोई आवाज सुनाई नहीं दे रही थी तो राजा को भी ऐसा ही लगा। सभी शर्तों और चेतावनियों को दरकिनार करते हुए राजा ने कमरे का दरवाजा खोलने का आदेश दिया।जैसे ही कमरा खोला गया तो बूढ़ा व्यक्ति गायब था और उसमें 3 अधूरी मूर्तियां मिली पड़ी मिलीं। भगवान नीलमाधव और उनके भाई के छोटे-छोटे हाथ बने थे, लेकिन उनकी टांगें नहीं, जबकि सुभद्रा के हाथ-पांव बनाए ही नहीं गए थे। राजा ने इसे भगवान की इच्छा मानकर इन्हीं अधूरी मूर्तियों को स्थापित कर दिया। तब से लेकर आज तक तीनों भाई बहन इसी रूप में विद्यमान हैं लेकिन भगवान कृष्ण के दिल क़ो अग्नि देवता ने कुछ नहीं किया क्योंकि ऐसा करने पर संपूर्ण जगत का विनाश हो जाता और अस्थि विसर्जन मैं दिल भी नदी मैं प्रवाहित हो गईकि पद्म पुराण की मानें तो एक बार भगवान जगन्नाथ की बहन सुभद्रा ने नगर देखने की इच्छा जाहिर की। इसके लिए भगवान जगन्नाथ ने सुभद्रा को रथ पर बैठाकर नगर दिखाया। इस दौरान वह अपनी मौसी के घर भी गए। जहां वह सात दिन तक रुके। मान्यता है कि तभी से हर साल भगवान जगन्नाथ निकालने की परंपरा जारी है।ज्येष्ठ मास में गर्मी का आरम्भ होता है, अतः पुरी में श्रीजगन्नाथ जी के चतुर्धा विग्रह को स्नान कराया जाता है। १०८ घड़ों से स्नान के बाद उनको ज्वर हो जाता है, तथा १५ दिन बीमार रहने पर उनकी चिकित्सा होती है। उसके बाद आषाढ़ शुक्ल द्वितीया को वे घूमने निकलते हैं। ३ रथों में जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा गुण्डिचा मन्दिर तक जाते हैं तथा ९ दिन बाद दशमी को लौटते हैं जिसे बाहुड़ा कहते हैं। लौटने को बहोर कहते हैं-गयी बहोर गरीब नेवाजू सरल सबल साहिब रघुराजू। (रामचरितमानस, बाल काण्ड, १२/४)। चान्द्र मास में भी जब अमावास्या के बाद चन्द्र सूर्य से दूर जाता है तब शुक्ल पक्ष की शुद्ध तिथि होती है। जब सूर्य के निकट लौटता है तब बहुल तिथि होती है।परब्रह्म के अव्यय पुरुष रूप को जगन्नाथ कहा गया है। इसे गीता (१५/१) में विपरीत वृक्ष कहा गया है। भगवान बलभद्र को बलराम, दाऊ और बलदाऊ के नाम से भी जाना जाता है। बागियों में श्रेष्ठ होने के कारण इन्हें बलभद्र भी कहा जाता है। बलभद्र को शेषनाग के नाम से जाना जाता है और भगवान जग अर्थात श्री कृष्ण को भगवान कृष्ण का अवतार माना जाता है।. कहा जाता है कि जब कंस ने देवकी-वसुदेव के छह पुत्रों को मार डाला था, तब देवकी के गर्भ से शेषावतार और भगवान बलराम का जन्म हुआ था। योगी आदित्यनाथ ने उन्हें आकर्षित कर नंद बाबा के यहां रह रही श्री रोहिणी जी के गर्भ में निषेचित करवा दिया था। इसलिए उनका नाम संकर्षण पड़ा। श्री कृष्ण और बलराम की माताएं अलग-अलग हैं, लेकिन वे एक ही हैं। ध्यान से देखा जाए तो वे पहले देवकी के गर्भ में थे। बलराम सत्ययुग के राजा कुकुदनी की पुत्री रेवती के वंशज थे। रेवती बलराम से काफी लंबी थी, इसलिए बलराम ने उसे अपने हल से पराजित कर दिया था। संसार की रथयात्रा में बलभद्र का भी रथ है।

जल की बूंद-बूंद पर संकटः नीतियों के बावजूद क्यों प्यासी है भारत की धरती?

डॉ. सत्यवान सौरभ

भारत दुनिया की 18% आबादी और मात्र 4% ताजे जल संसाधनों के साथ गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है। भूजल का अत्यधिक दोहन, प्रदूषण, असंतुलित खेती, और जलवायु परिवर्तन इसके प्रमुख कारण हैं। सरकारी योजनाओं और नीतियों के बावजूद कार्यान्वयन और जनभागीदारी की कमी से हालात बिगड़ते जा रहे हैं। जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना, सूक्ष्म सिंचाई को बढ़ावा देना, जल की कीमत तय करना, और पुनर्चक्रण को अनिवार्य बनाना समय की मांग है। जब तक नीति, व्यवहार और चेतना एकसाथ नहीं बदलते, तब तक जल संकट भारत के भविष्य को चुनौती देता रहेगा। भारत की धरती पर जल का संकट एक ऐसी विडंबना बन चुका है, जिसे देखकर हैरानी होती है कि इतनी योजनाओं, घोषणाओं और नीतियों के बावजूद यह देश बूंद-बूंद के लिए क्यों तरस रहा है। जब कोई देश दुनिया की 18% जनसंख्या को समेटे हुए हो और उसके पास केवल 4% ताजे जल संसाधन हों, तो संकट की आशंका तो बनती है, पर यदि यही देश दशकों से जल संरक्षण और जल प्रबंधन की योजनाओं का ढोल पीटता हो और फिर भी सूखा, प्यास, और जलजनित बीमारियाँ उसके हिस्से में आएं — तो यह केवल प्राकृतिक संकट नहीं, यह नीति, प्रशासन और नागरिक चेतना की सामूहिक असफलता है। भारत में पानी की स्थिति को अगर आंकड़ों की भाषा में समझें, तो भयावहता साफ़ दिखाई देती है। नीति आयोग की रिपोर्ट कहती है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा भूजल उपभोक्ता है — लगभग 25% भूजल अकेले भारत निकालता है। 11% से अधिक भूजल खंड अत्यधिक दोहित यानी over-exploited की स्थिति में हैं। दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद जैसे 21 प्रमुख शहरों के 2030 तक भूजल समाप्त होने की चेतावनी दी जा चुकी है। वहीं दूसरी ओर, 70% जल स्रोत प्रदूषित हैं। फ्लोराइड, आर्सेनिक, नाइट्रेट और भारी धातुओं से दूषित यह जल 23 करोड़ से अधिक लोगों को प्रभावित कर रहा है। हर साल लगभग 2 लाख मौतें सिर्फ जलजनित बीमारियों से होती हैं — यह सिर्फ आंकड़ा नहीं, यह हमारी संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है। पानी का यह संकट केवल ग्रामीण इलाकों या गरीबों तक सीमित नहीं है। 2019 में जब चेन्नई जैसे आधुनिक शहर को Day Zero का सामना करना पड़ा और जल ट्रेनें चलानी पड़ीं, तब यह साफ हो गया कि यह समस्या अब दरवाजे पर नहीं, घर के भीतर आ चुकी है। और फिर भी हम इसे मौसमी समस्या मानकर हर बार भूल जाते हैं! सवाल यह है कि नीतियाँ तो बनीं — राष्ट्रीय जल नीति (2012), जल जीवन मिशन, अटल भूजल योजना, नमामि गंगे, जल शक्ति अभियान — पर फिर भी पानी का स्तर क्यों गिरता जा रहा है? जवाब सरल है — हमारी नीतियाँ जमीन पर नहीं उतरतीं, और हमारे व्यवहार में कोई परिवर्तन नहीं आता। आज भी देश के अधिकांश किसान पानी की फिजूलखर्ची करने वाली फसलों की खेती करते हैं। पंजाब और हरियाणा जैसे जल-संकटग्रस्त राज्य में धान और गन्ने की खेती केवल इसलिए होती है क्योंकि सरकार MSP और मुफ्त बिजली देती है। नतीजा — भूजल का तेजी से दोहन, खेतों का क्षरण, और जल स्रोतों का खत्म हो जाना। दूसरी ओर, ड्रिप सिंचाई या स्प्रिंकलर जैसे आधुनिक जल संरक्षण उपायों की पहुंच केवल 9% खेतों तक ही सीमित है। किसान जानते हैं, पर अपनाते नहीं — क्योंकि नीति और व्यवहार में दूरी है। शहरों की बात करें तो पाइपलाइन से लेकर टंकी तक, हर जगह लीकेज और बर्बादी का आलम है। स्मार्ट मीटरिंग अभी भी अधिकांश नगरपालिकाओं के लिए नया शब्द है। पुनः उपयोग (recycling) और वर्षा जल संचयन जैसे उपाय कहीं-कहीं दिखते हैं, लेकिन सामूहिक रूप से अपनाए नहीं जाते।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि जल संकट को अब भी केवल प्राकृतिक समस्या समझा जाता है। जबकि यह एक स्पष्ट रूप से 'नीतिगत और नैतिक' संकट है। जब तक यह दृष्टिकोण नहीं बदलेगा, तब तक कोई भी योजना सफल नहीं होगी। अब समय आ गया है कि भारत पानी को मुफ्त संसाधन मानना बंद करे और उसे जीवन मूल्य की तरह देखे। इसके लिए कुछ और ठोस सुधारों की आवश्यकता है। सबसे पहले, पानी की कीमत तय होनी चाहिए — चाहे वह पीने का हो, या सिंचाई का। मुफ्त पानी की संस्कृति ने उपभोग को बर्बादी में बदल दिया है। जल का मूल्य निर्धारण सामाजिक न्याय और पर्यावरणीय विवेक के बीच संतुलन साध सकता है। दूसरा, सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को केवल योजना पत्रों से निकालकर जमीनी हकीकत बनाना होगा। इसके लिए तकनीकी प्रशिक्षण, सस्ती उपलब्धता, और स्थानीय स्तर पर सहायता तंत्र बनाना होगा। तीसरा, भूजल का प्रबंधन केवल सरकार का नहीं, ग्राम पंचायतों और स्थानीय समुदायों का भी कर्तव्य होना चाहिए। अटल भूजल योजना को इस दिशा में सफल मॉडल के रूप में बढ़ाया जा सकता है। चौथा, किसानों को केवल फसल बीमा या सब्सिडी नहीं, जल आधारित फसल मार्गदर्शन की जरूरत है। यह तभी होगा जब MSP का ढांचा जल संरक्षण के अनुकूल फसलों को बढ़ावा देगा। देश को ऐसे नीतिगत हस्तक्षेपों की जरूरत है जो किसान की आय भी बढ़ाएं और पानी की बचत भी करें। पाँचवां, शहरों में जल पुनर्चक्रण अनिवार्य किया जाए। जो नगर पालिकाएं wastewater को recycle नहीं करतीं, उन्हें दंड और प्रोत्साहन दोनों के माध्यम से बदला जाए। बड़े भवनों में वर्षा जल संचयन अनिवार्य हो, और इसके अनुपालन की निगरानी की जाए। छठा, बच्चों के स्कूली पाठ्यक्रम में जल संरक्षण को केवल पर्यावरण अध्याय के रूप में न पढ़ाया जाए, बल्कि व्यवहार परिवर्तन के रूप में सिखाया जाए। यदि अगली पीढ़ी जल को कीमती माने, तो आज की प्यास भविष्य की सूखी धरती को बचा सकती है। सातवां, जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाना होगा — जैसा प्रधानमंत्री ने आह्वान किया था। लेकिन यह आह्वान केवल भाषणों में नहीं, बजट और प्रशासनिक प्रतिबद्धता में दिखना चाहिए। जल शक्ति मंत्रालय को केवल नल जोड़ने वाला मंत्रालय नहीं, जल नीति, जल शिक्षा और जल चेतना का नेतृत्व करना होगा। साथ ही, निजी क्षेत्र की भूमिका को भी समझना और बढ़ाना होगा। जल एटीएम, पाइपलाइन प्रबंधन, स्मार्ट मीटरिंग, और जल पुनर्चक्रण जैसी सेवाओं में PPP मॉडल को बढ़ावा देकर न केवल निवेश लाया जा सकता है, बल्कि तकनीकी नवाचार भी हो सकते हैं। और सबसे महत्वपूर्ण — हमें यह समझना होगा कि जल संकट केवल वैज्ञानिकों और नौकरशाहों का विषय नहीं है। यह आम नागरिक का संकट है। हर घर, हर हाथ को यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि पानी को बर्बाद नहीं किया जाएगा, और हर बूंद का सम्मान होगा।

जलवायु परिवर्तन के इस युग में, जब बारिश की मात्रा अनिश्चित हो गई है, और हिमालयी ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं — हमें जल को 'अनंत' नहीं, बल्कि 'सीमित और नाजुक' संसाधन मानना होगा। भारत की सांस्कृतिक परंपरा में जल को देवता का दर्जा मिला है — लेकिन विडंबना यह है कि आज वही जल नदियों में मल-मूत्र के रूप में बह रहा है, या गंदे नालों से होकर भूजल में जहर घोल रहा है। इसलिए आज का भारत केवल 'जल संकट' नहीं झेल रहा, बल्कि वह अपने भविष्य के साथ खिलवाड़ कर रहा है। जल संकट में डूबा भारत, विकास के हर मोर्चे पर कमजोर पड़ता जाएगा — चाहे वह स्वास्थ्य हो, कृषि, उद्योग या सामाजिक समरसता।

भारत में यूरोपीय ढंग के राष्ट्रवाद की विकास यात्रा

राम पुनियानी

इन दिनों दि इंडियन एक्सप्रेस में हिंदू राष्ट्रवाद के उदय एवं प्रभुत्व पर योगेन्द्र यादव, सुहास पलसीकर एवं अकील बिलग्रामी जैसे मेधावी समाज विज्ञानियों के अत्यंत गहन विचार प्रकाशित हो रहे हैं। वे इस बात से चिंतित हैं कि भारतीय राष्ट्रवाद की वर्तमान अवधारणा यूरोपियन ढंग के राष्ट्रवाद जैसी है। हम इसे हिन्दुत्व की राजनीति या हिंदू राष्ट्रवाद का नाम देते हैं। ये सभी यह स्वीकार करते हैं कि हिन्दू राष्ट्रवाद ही आज विद्यमान राष्ट्रवाद है। इसमें कोई संदेह नहीं कि हिन्दू राष्ट्रवाद अत्यंत मुखर एवं प्रभुत्वशाली है। लेकिन फिर भी भारतीय राष्ट्रवाद का विचार अभी तक भारतीय समाज के बड़े तबके के दिलों में कायम है। यदि हम मतदान प्रतिशत की बात करें तो सन् 2024 के चुनाव में हिन्दू राष्ट्रवादी पार्टी को 36.5 प्रतिशत मत हासिल हुए थे और ऐसे आरोप थे कि इनमें से बहुत से वोट हेराफेरी और जोड़तोड़ के जरिए हासिल किए गए थे। लेकिन फिर भी इन अध्येताओं की चिंताओं पर गहराई से विचार किया जाना जरूरी है। हिन्दू राष्ट्रवाद न केवल चुनावी राजनीति के माध्यम से सशक्त हो रहा है बल्कि इसने राष्ट्र के विभिन्न अंगों मंय घुसपैठ कर ली है और मीडिया व सोशल मीडिया के बड़े हिस्से पर कब्जा कर लिया है। यादव कहते हैं कि आज के भारत में इस आक्रामक राष्ट्रवाद के बोलबाले के लिए वे सेकुलरवादी, अंतर्राष्ट्रीयतावादी व आधुनिकतावादी आचार-व्यवहार दोषी हैं जिन्हें आजादी के बाद के भारत में बढ़ावा दिया गया। इसके चलते हर किस्म के राष्ट्रवाद से किनारा कर लिया गया। राष्ट्रवाद का एक शून्य उत्पन्न हो गया जिसे आज राष्ट्र के हिन्दुत्वादी विचार ने भर दिया है''। पलसीकर का मानना है कि आज के हिन्दू राष्ट्रवाद की जडें उस राष्ट्रीय आन्दोलन में हैं जो आज से एक सदी से भी ज्यादा पहले भारत में चलाया गया था। बिलग्रामी भारतीय लोकाचार की प्रशंसा इन शब्दों में करते हैं सदियों से भारतीय समाज की यह खासियत रही है कि वह बिना प्रयास किए और बिना ढोल पीटे धर्म और संस्कृति की दृष्टि से बहुवादी बना रहा। इसके विपरीत, आज का यूरोपीय ढंग का राष्ट्रवाद विभाजित करता है और उसे एकता बताता है। पलसीकर के इस टिप्पणी कि हिन्दू राष्ट्रवाद की जड़ें आजादी के संघर्ष के काल में हैं के उत्तर में वे कहते हैं, ''इसमें कोई संदेह नहीं कि यह नजरिया आजादी के संघर्ष के दौरान मौजूद था किंतु गांधी और नेहरू के बोलबाले के कारण वह हाशिए पर रहा और इससे निश्चित ही कई सवाल उलझे हुए रह गए। किंतु यह पक्के तौर पर कहा जा सकता है यह मौजूदा हिन्दुत्व राष्ट्रवाद की जड़ नहीं है''। भारत के मौजूदा हालातों और हिन्दू राष्ट्रवाद के बढ़ते खतरे को समझने के लिए कुछ अन्य बिन्दुओं पर विचार करना आवश्यक है। यूरोप में सार्वभौमिकता सम्राटों/राजाओं से आधुनिक केन्द्रीयकृत राज्य तक पहुंची। ऐसे राज्यों के उदित होने पर उनका साबका समाज के विभिन्न तबकों से पड़ा जिससे धर्मनिरपेक्षता की अवधारणा उत्पन्न हुई। भारत में हम औपनिवेशिक शासन के अधीन रहे जिसने ज्यादातर राजाओं की सार्वभौमिकता को समाप्त कर उनके राज्यों को अपने अधीन कर लिया। आजादी के बाद ये औपनिवेशिक राज्य भारत का हिस्सा बने। यह भारत अपने संविधान के प्रावधानों के अनुसार संचालित होना था जो समावेशी था और किसी को दूसरा नहीं बताता था (योगेन्द्र यादव के शब्द)। भारत इस राह पर चला और कम से कम सैद्धांतिक तौर पर आज भी वह भारतीय राष्ट्रवाद की राह पर चल रहा है। मगर आज हिंदू राष्ट्रवाद, भारतीय राष्ट्रवाद से बड़ा हो गया है। वह संकीर्ण है और यूरोपीय ढंग का है लेकिन जहाँ यूरोप में भाषा, धर्म और संस्कृति आधारित विभाजन और राष्ट्रवाद थे (मुख्यतः भाषा-आधारित), भारत में हिंदू और मुस्लिम राष्ट्रवाद का एकमात्र आधार धर्म था, जिसे साम्प्रदायिकता भी कहा गया। आधुनिक कल-कारखानों, शिक्षा, परिवहन एवं संचार के साधनों के विकास के साथ ही भारतीय राष्ट्रवाद की जड़ें उभरना प्रारंभ हो गईं। इस राष्ट्रवाद के उभार में सहायक थे वे सामाजिक आंदोलन जो ऊंच-नीच के बंधनों को तोड़ रहे थे। नारायण मेघाजी लोखंडे व कामरेड सिंगरालू के नेतृत्व वाले आंदोलनों ने मजदूरों को संगठित किया। जोतिबा फुले, सावित्रीबाई फुले, अंबेडकर और पेरियार ने सामाजिक समानता के लिए संघर्ष किया जो भारतीय राष्ट्रवाद का एक महत्वपूर्ण घटक है। गांधी और नेहरू ने औपनिवेशिक शासन के खिलाफ जनांदोलन का नेतृत्व किया। इस आंदोलन का लक्ष्य केवल देश की सार्वभौमिकता अंग्रेजों से छीनकर भारतीय निर्वाचित प्रतिनिधियों को सौंपना नहीं था बल्कि पूर्ण समावेशिता हासिल करना भी था। इस भारतीय राष्ट्रवाद के सशक्त होने के साथ-साथ ही सामंती तत्वों ने उन प्रवृत्तियों की नींव डाली जिन्होंने अंततः हिंदू और मुस्लिम राष्ट्रवाद का स्वरूप लिया। इन प्रवृत्तियों का विश्वास था कि धर्म ही राष्ट्रवाद का आधार है। उन्हें राजाओं-नवाबों और समाज के कुलीन वर्गों का समर्थन मिला जिन्हें उस समय कायम किंतु अस्त होते सामाजिक ढांचे में ऊंचा दर्जा हासिल था। समय के साथ इसका नतीजा मुस्लिम लीग, हिंदू महासभा और आरएसएस की स्थापना के रूप में सामने आया। इससे अंग्रेजों को 'फूट डालो और राज करो' की अपनी नीति को लागू करने में मदद मिली और बाद में इसी के नतीजे में भारत का विभाजन हुआ। भारत में हिंदू राष्ट्रवाद पहले ही काफी सशक्त हो चुका था और जर्मनी और इटली जैसे यूरोपीय राष्ट्रवाद इसके आदर्श थे। प्रशिक्षित स्वयंसेवकों और प्रचारकों के माध्यम से इसकी विचारधारा मुंहजुबानी प्रचार से देश के कोने-कोने में फैल गई। आजादी के तुरंत बाद यह स्पष्ट हो गया कि हिंदू राष्ट्रवाद कितना प्रबल है। उसके पूर्व प्रचारक नाथूराम गोडसे ने उपनिवेश विरोधी आंदोलन के मुखिया, भारतीय राष्ट्रवाद के सबसे बड़े हिमायती, महात्मा गांधी के सीने में तीन गोलियां झोंक दीं। आरएसएस हिंदू राष्ट्रवाद का समर्थन करने वाला एकमात्र संगठन नहीं था। हिंदू महासभा भी थी और हिंदू राष्ट्रवादी तत्वों के एक तबके ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में भी घुसपैठ कर ली थी। जवाहरलाल नेहरू को इसके कारण भारतीय राष्ट्रवाद के लिए उत्पन्न हुए खतरे का एहसास हो गया था किंतु विभिन्न कारणों से वे इसे जड़ से उखाड़ नहीं पाए, जिनमें से एक था भारत में जमींदारी प्रथा का कायम रहना। यह समाज में बढ़ती धार्मिकता में भी प्रतिबिंबित होता था। स्पष्टतः हिंदू राष्ट्रवाद जाति एवं लिंग आधारित गैर-बराबरी के मामले में यथास्थिति कायम रखने का पक्षधर है। उसका समाज के कुछ विशिष्ट वर्गों पर प्रभाव तब साफ नजर आया जब गौवध के संबंध में एक कानून बनाने की मांग उठाई गई और हजारों साधु संसद के समक्ष एकत्रित हुए।

आज का राशिफल

मेष राशिः आज का दिन आपके लिए शानदार रहने वाला है। आज आपको व्यापार में बड़ा धन लाभ होगा, पारिवारिक माहौल खुशियों से भरा रहेगा। नौकरी में उन्नति के अवसर प्राप्त होंगे , सहकर्मियों का साथ मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा, पारिवारिक रिश्तों में समरसता बनी रहेगी। सामाजिक कार्यों से जुड़े व्यक्तियों को मान -सम्मान की प्राप्ति होगी। अगर आप लोग किसी चीज में इन्वेस्ट करने के बारे में सोच रहे है , तो आज आपको बढ़िया डील मिलेगी।

वृष राशिः आज का दिन आपके लिए बेहतरीन साबित होगा। जो लोग प्रोपर्टी डीलिंग का काम करते हैं आज उनको अच्छा धन लाभ होगा। रिश्तों में सुधार होगा, जिससे मन प्रसन्न रहेगा। आज आप अपने कर्तव्यों का अच्छे से पालन करेंगे। आज आपकी रूचि आध्यात्म में ज्यादा रहेगी, जिससे आप खुद को बेहतर महसूस करेंगे। आज आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा, जिससे रोज की अपेक्षा आज दोगना काम करेंगे।

मिथुन राशिः आज का दिन आपके लिए मिला -जुला रहेगा। आज आपको ट्रांसपोर्ट के बिजनेस में धन लाभ होगा। पारिवारिक जीवन में व्यस्तता बनी रहेगी, बच्चों से सहयोग प्राप्त होगा। आज आपके पड़ोसी से रिश्ते बेहतर होंगे। आज आपके दोस्त आपसे मिलने आपके घर पर आ सकते है। आज आपकी नौकरी में स्थान परिवर्तन की संभावना बनती दिख रही है।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आपके हंसमुख स्वभाव के कारण आज आपके बहुत सारे काम बनेंगे। लोग आज आपकी तारीफ करेंगे, जिससे आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। वैवाहिक जीवन में खुशियां होगी, रिश्ते में नयापन आएगा। आज आप अपने भाई -बहनों के साथ बाहर खाना खाने जायेंगे। सेवा क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज मान -सम्मान की प्राप्ति होगी।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए खास होगा। आज आपको व्यापारिक दृष्टिकोण से बड़ा धन लाभ होगा, भौतिक सुख मिलेगा। आज का दिन आप जीवनसाथी के साथ खूब इंजॉय करेंगे। जो भी व्यक्ति बच्चों को लेकर किसी भी प्रकार की उलझन में है, आज आपको उससे छुटकारा मिलेगा। आज आपकी रुचि रचनात्मक कार्यों में ज्यादा रहेगी। आज आपको किसी दोस्त से उपहार मिल सकता है।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज आप अपने दोस्तों से मिलने के लिए उत्साहित बने रहेंगे। आज आप अपने काम को बेहतरीन तरीके से करेंगे, जिससे बॉस आपसे खुश होंगे। आपकी लाइफ में आज किसी व्यक्ति की इंट्री हो सकती है , जिससे मिलकर आपकी जिन्दगी में एक नयी बहार आ जाएगी। शादीशुदा रिश्तों में ताल -मेल बना रहेगा, बच्चे भी अपना काम अच्छे से करेंगे।

तुला राशिः आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। आज आपको व्यापार में बड़ा धन लाभ होगा, आज आप काम के चक्कर में पूरा दिन व्यस्त रहेंगे। आपका दाम्पत्य जीवन खुशहाल बना रहेगा, बच्चों को घुमाने किसी पार्क ले जा सकते है। लवमेट के लिए आज का दिन ख़ुशी देने वाला साबित होगा, आज आप लोग लंच पर जा सकते है।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी काम की शुरुआत कर सकते है, सफलता मिलेगी। छात्रों को आज किसी अच्छे स्कूल में प्रवेश मिलने की संभावना बन रही है। कला जगत की दुनिया से जुड़े हुए लोगों को आज बड़े सितारों से मिलने का अवसर प्राप्त होगा। रोजगार में तरक्की के नये मार्ग प्रशस्त होंगे, जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

धनु राशिः आज का दिन आपके लिए मिला -जुला रहेगा। आज आपको सगे -सम्बन्धियों से शुभ समाचार प्राप्त होगा। आज आप किसी भी व्यक्ति को कर्ज देने से बचे, जिससे आप आर्थिक नुकसान से बचे रहे। आज आपको लंबे समय से चल रही किसी समस्या का समाधान होगा। छात्रों को आज किसी प्रतियोगी परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त होंगे।

मकर राशिः आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। व्यापारिक दृष्टिकोण से आज आपको बढ़िया धन लाभ होगा। आज आपको किसी पारस्परिक परम्परा को निभाने का अवसर मिलेगा। दाम्पत्य जीवन खुशहाल बना रहेगा, बच्चों के साथ पिकनिक पर जाने का प्लान बना सकते है। घर में किसी मेहमान का आगमन होगा जिससे घर में चहल -पहल बनी रहेगी।

कुम्भ राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आपको बिजनेस में अच्छा धन लाभ होगा, आर्थिक स्तिथि और मजबूत होगी। रिश्तों में चल रही अनबन में सुधार होगा , रिश्तों में मधुरता आएगी। आज आप किसी महत्वपूर्ण कार्य की शुरुआत कर सकते है, जिससे समाज में एक सकारात्मक बदलाव संभव है।

मीन राशिः आज का दिन आपके लिए उत्तम रहेगा। आज आपको बिजनेस में अच्छा धन लाभ होगा, आर्थिक स्तिथि और मजबूत होगी। रिश्तों में चल रही अनबन में सुधार होगा, रिश्तों में मधुरता आएगी। आज आप किसी महत्वपूर्ण कार्य की शुरुआत कर सकते हैं, जिससे समाज में एक सकारात्मक बदलाव संभव है। रोजगार की तलाश में भटक रहे युवाओं को किसी अच्छे संस्थान के माध्यम से नौकरी मिलेगी।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

रोहित शर्मा ने पिछले साल आज ही के दिन टी20 विश्व कप की जीत को किया याद

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट फैंस की यादों में 29 जून, 2024 की तारीख हमेशा के लिए बस गई है। एक साल पहले आज के दिन रोहित शर्मा की अगुआई में भारतीय टीम ने टी20 विश्वकप का खिताब अपने नाम किया था। भारतीय टीम ने बारबाडोस में खेले गए विश्वकप फाइनल में साउथ अफ्रीका टीम को 7 रन से हराकर 11 साल बाद कोई आईसीसी का खिताब जीता था। आईसीसी टी20 विश्वकप 2024 के फाइनल मुकाबले में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए भारतीय टीम ने 20 ओवर में सात विकेट गंवाकर 176 रन बनाए थे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 169 रन ही बना सकी थी। इस मैच में एक समय दक्षिण अफ्रीका जीत की ओर तेजी से बढ़ रही थी।

उसे अंतिम 30 गेंदों में 30 रन चाहिए थे, लेकिन 16वें ओवर में हार्दिक पंड्या ने हेनरिक क्लासेन को आउट कर मैच का रूख पलट दिया। क्लासेन ने 27 गेंदों में 52 रन बनाए थे। उसके बाद से भारतीय टीम ने दबाव बनाना जारी रखा। हालांकि दक्षिण अफ्रीका के लिए तब भी उम्मीद थी जब उन्हें अंतिम ओवर में 16 रन की जरूरत थी और डेविड मिलर क्रीज पर थे, लेकिन सूर्यकुमार यादव ने एक ऐसा कैच पकड़ा जो आने वाले कई वर्षों तक भारतीय क्रिकेट में याद किया जाएगा। उन्होंने बाउंड्री पर मिलर का बेहतरीन कैच पकड़ा जिसने भारतीय टीम की जीत सुनिश्चित कर दी। इस ऐतिहासिक कैच को रोहित शर्मा ने जियो हॉटस्टार के साथ बातचीत में याद किया। रोहित ने कहा कि मुझे लगा कि गेंद चली (छक्के के लिए) गई, क्योंकि मैं ही लॉन्ग ऑफ पर था। मैंने यह देखा और सोचा पांच गेंदों पर 10 (रन) बचे लेकिन फिर मैंने देखा कि गेंद सूर्या के हाथों में आ रही है। रोहित ने कहा कि इस कैच को पकड़ने में बहुत मेहनत लगी होगी क्योंकि जब गेंद हवा में थी तो ऐसा लग रहा था कि यह आसानी से बाउंड्री लाइन को पार कर जाएगी। उन्होंने आगे कहा कि मैं सूर्या के साथ खड़ा था। जब अंपायर कैच की जांच कर रहे थे और मैंने कहा, 'सूर्या, मुझे बताओ। तुम मुझे बताओ। मैं वहां नहीं देखना चाहता और उसने कहा कि भईया मैंने इसे पकड़ लिया है।

जीत का जश्न- हार्दिक पांड्या द्वारा अंतिम गेंद फेंके जाने के तुरंत बाद ही मैदान पर जश्न शुरू हो गया। खिलाड़ियों की आंखों में खुशी के आंसू थे। खिलाड़ी एक-दूसरे से गले मिल रहे थे। रोहित ने कहा कि यह हम सबके लिए बहुत मायने रखता है, वास्तव में उस समूह के लिए, जिसने बहुत कुछ देखा था और बहुत कुछ सहा था। यही कारण है कि यह हमारे लिए इतना खास था। क्योंकि हमने वाकई कड़ी मेहनत की और हमने दिन-रात कड़ी योजना बनाई। हम बस यही सोच रहे थे कि हम विश्व कप कैसे जीत सकते हैं। रोहित ने कहा कि उस जश्न के दौरान हर खिलाड़ी की भावनाएं सामने आईं, क्योंकि हमारी नजरों से उन्हें भी एहसास हो गया है कि विश्व कप जीतना आसान नहीं है। खासकर उन लोगों के लिए जिन्होंने विश्व कप के ज्यादा मैच नहीं खेले या पहली बार खेल रहे थे।

स्मृति मंधाना के शतक से भारत ने इंग्लैंड को पहले टी20 में 97 रन से हराया

नॉटिंघम। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को नॉटिंघम में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड को 97 रन से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। भारत की इस शानदार जीत की नायक रहीं कप्तान स्मृति मंधाना, जिन्होंने दमदार शतक जड़कर टीम की नींव मजबूत की। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत सधी हुई रही, लेकिन असली कमाल कप्तान स्मृति मंधाना ने किया। उन्होंने 55 गेंदों पर 103 रन की तूफानी पारी खेली, जिसमें 14 चौके और 3 छक्के शामिल थे। उनके साथ जेमिमा रॉड्रिग्स (32 रन) और दीप्ति शर्मा (28 रन) ने भी अहम योगदान दिया। भारत ने निर्धारित 20 ओवरों में 5 विकेट पर 210 रन बनाए, जो कि इंग्लैंड के खिलाफ भारत का अब तक का सर्वाधिक टी20 स्कोर है। लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंग्लैंड की टीम की शुरुआत बेहद खराब रही।

शुरुआती झटकों के बाद कप्तान नेट सिवर ब्रंट ने 41 गेंदों में 66 रन बनाकर लड़ाई की कोशिश जरूर की, लेकिन उन्हें कोई खास सहयोग नहीं मिला। इंग्लैंड की पूरी टीम 14.5 ओवर में 113 रन पर सिमट गई। भारतीय गेंदबाजों ने विपक्षी बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका नहीं दिया। श्री चरणी ने अपनी शानदार गेंदबाजी से 4 विकेट झटके, जबकि दीप्ति शर्मा और राधा यादव ने 2-2 विकेट अपने नाम किए। अमनजोत कौर और अरुंधति रेड्डी ने भी 1-1 सफलता हासिल कर इंग्लैंड की कमर तोड़ दी। अब दोनों टीमें 01 जुलाई को ब्रिस्टल में दूसरे टी20 मुकाबले में आमने-सामने होंगी। भारत इस जीत को दोहराने की कोशिश करेगा, जबकि इंग्लैंड वापसी की रणनीति पर काम करेगा।

भारत के खिलाफ पहले मैच में धीमी ओवर गति के लिए इंग्लैंड पर लगा जुर्माना

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने शनिवार को नॉटिंघम (इंग्लैंड) में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में मेजबान इंग्लैंड को 97 रन से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 की बढ़त हासिल कर ली है। इस मैच में हार के बाद मेजबान टीम को एक और बड़ा झटका लगा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मुकाबले में धीमी ओवर गति के लिए इंग्लैंड टीम पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया है। आईसीसी ने रविवार को एक बयान में बताया कि एमिरेट्स आईसीसी इंटरनेशनल पैनल ऑफ मैच रेफरी की हेलेन पैक ने यह जुर्माना लगाया, क्योंकि समय की छूट को ध्यान में रखते हुए इंग्लैंड को निर्धारित लक्ष्य से दो ओवर कम फेंकने का दोषी पाया गया। यह जुर्माना खिलाड़ियों और खिलाड़ी सहायक कर्मियों के लिए आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22

के अनुसार लगाया गया है, जो न्यूनतम ओवर रेट अपराधों से संबंधित है। इसके तहत निर्धारित समय के भीतर गेंदबाजी करने में विफल रहने पर खिलाड़ियों पर हर ओवर के लिए उनकी मैच फीस का पांच प्रतिशत जुर्माना लगाया जाता है। इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर-ब्रंट ने अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी। मैदानी अंपायर जैकलीन विलियम्स और जेम्स मिडलब्रुक, तीसरे अंपायर सू रेडफर्न और चौथे अंपायर अन्ना हैरिस ने आरोप तय किए। मुकाबले की बात करें तो टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने कप्तान स्मृति मंधाना की 62 गेंदों पर 112 रन की तूफानी शतकीय पारी के दम पर 20 ओवर में 5 विकेट पर 210 रन बनाए।

अंपायर के फैसले पर आपत्ति जताई तो आईसीसी ने वेस्टइंडीज के कोच डेरेन सैमी पर लगाया जुर्माना

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया ने बारबाडोस के ब्रिजटाउन में खेले गए पहले टेस्ट मैच में वेस्टइंडीज को 159 रनों से हराकर तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। इस टेस्ट मैच में थर्ड अंपायर के कई ऐसे फैसले रहे, जिस पर वेस्टइंडीज टीम के हेड कोच डैरेन सैमी ने आपत्ति जताई थी। अब थर्ड अंपायर के फैसलों पर सवाल उठाने पर डैरेन सैमी पर जुर्माना लगा है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने उन पर 15 प्रतिशत मैच फीस का जुर्माना लगा दिया है। साथ ही उनके अनुशासनात्मक रिकार्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ दिया गया है। दरअसल, वेस्टइंडीज और ऑस्ट्रेलिया के बीच खेले गए पहले टेस्ट मैच में थर्ड अंपायर एड्रियन होल्डस्टॉक की ओर से कुछ फैसले दिए गए, जिन पर विवाद

देखने को मिला। वेस्टइंडीज के हेड कोच डैरेन सैमी ने इन्हीं फैसलों पर नाराजगी जताते हुए प्रेस कॉन्फ्रेंस में सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि आप खुद को ऐसी स्थिति में नहीं डालना चाहते जहां आप कुछ खास अंपायरों के बारे में सोच रहे हों। क्या इस टीम के खिलाफ कुछ है? लेकिन जब आप एक के बाद एक फैसले देखते हैं, तो यह सवाल उठता है। इसके बाद आईसीसी ने अब अंपायर के फैसलों के खिलाफ बोलने पर सैमी पर एक्शन लिया है। आईसीसी के अनुसार वेस्टइंडीज के मुख्य कोच डैरन सैमी पर पहले मैच के दूसरे दिन आईसीसी आचार संहिता के लेवल 1 का उल्लंघन करने के लिए मैच फीस का 15 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। सैमी को आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.7 के उल्लंघन का दोषी पाया गया, जो किसी अंतरराष्ट्रीय मैच में घटित किसी घटना या किसी खिलाड़ी, खिलाड़ी सहयोगी कर्मी, मैच अधिकारी या किसी अंतरराष्ट्रीय मैच में भाग लेने वाली टीम के संबंध में सार्वजनिक आलोचना या अनुचित टिप्पणी से संबंधित है। इसके अतिरिक्त, सैमी के अनुशासनात्मक रिकार्ड में एक डिमेरिट अंक जोड़ दिया गया है, जो 24 महीने की अवधि में उनका पहला अपराध है। आईसीसी के मुताबिक सैमी ने अपना अपराध स्वीकार कर लिया और प्रस्तावित दंड को स्वीकार कर लिया, इसलिए औपचारिक सुनवाई की कोई आवश्यकता नहीं पड़ी।

गेंदबाजी कोच के साथ डब्ल्यूडब्ल्यूई जैसे फाइट करते दिखे अर्शदीप और आकाशदीप

बर्मिंघम। यहां भारतीय टीम 2 जुलाई से यहां शुरू होने वाले दूसरे टेस्ट की तैयारियों में लगी है। इसी अभ्यास सत्र के दौरान कुछ खिलाड़ी गेंदबाजी कोच के साथ हंसी मजाक में लड़ाई करते

दिखे। तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आकाशदीप गेंदबाजी कोच कोच मोर्ने मॉर्केल के साथ हाथापाई कर रहे थे। ऐसा लगा रहा था जैसे तीनो के बीच डब्ल्यूडब्ल्यूई का मुकाबला हो रहा है। भारतीय टीम के अभ्यास सत्र का एक वीडियो भी सोशल मीडिया में आया है। इसमें गेंदबाज अर्शदीप सिंह और आकाशदीप को कोच मॉर्केल के साथ मस्ती करते देखा जा सकता है। मॉर्केल की सभी गेंदबाजों के साथ अच्छी बनती है और वे काम के दौरान मजाक भी करते रहते हैं। कोच और खिलाड़ियों के बीच अच्छा संबंध बना है। इसी कारण वे एक दूसरे के साथ हंसी मजाक भी करते हैं। इस वीडियो में मॉर्केल और अर्शदीप के बीच टक्कर हो रही है। इसमें कोच अर्शदीप को जमीन पर गिरा कर उनको कोहने से मारने का नाटक करते दिख रहे हैं। कोच मॉर्केल जब अर्शदीप के साथ मुकाबला करते हैं तो उनको बचाने के लिए आकाशदीप आते हैं और दोनों मिलकर कोच को जमीन पर लिटा देते हैं और फिर तीनों के बीच मजाकिया लड़ाई होती है। इस वीडियो को प्रशंसकों ने काफी पसंद किया

व्यापार

नहीं थमी सोने की कीमत में गिरावट, एक सप्ताह में 3,330 रुपये तक सस्ता

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में गिरावट का दौर लगातार जारी है। सोने के भाव में आज 550 रुपये से लेकर 600 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की गिरावट आ गई। हालांकि, चांदी के भाव में आज कोई बदलाव नहीं हुआ है। भाव में कमजोरी आने के कारण आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 97,420 रुपये से लेकर 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 89,300 रुपये से लेकर 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने की वजह से ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज भी 1,07,800 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। साप्ताहिक आधार पर देखा जाए तो सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बाद देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोने के भाव में 3,330 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की कमजोरी दर्ज की गई है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी पिछले एक सप्ताह के दौरान 3,050 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो चुका है। सोने की तरह ही चांदी भी साप्ताहिक आधार पर गिरावट का शिकार हुई है। सोमवार से शनिवार तक के कारोबार के बादा चांदी 2,200 रुपये प्रति किलोग्राम तक सस्ती हो गई है। दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 97,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत

97,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 97,420 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 89,300 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 97,420 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 97,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 89,350 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। जयपुर में 24 कैरेट सोना 97,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 89,450 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 97,420 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 89,300 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सेंसेक्स की नौ कंपनियों का मार्केट कैप 2.34 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली। बीते सप्ताह सेंसेक्स की शीर्ष 10 सबसे कीमती कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में कुल मिलाकर 2,34,565.53 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। शेयर बाजार में तेजी के रुख के बीच सबसे अधिक लाभ में रिलायंस इंडस्ट्रीज रही। बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,650.73 अंक या दो प्रतिशत चढ़ गया। शीर्ष 10 कंपनियों में सिर्फ इन्फोसिस के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 69,556.91 करोड़ रुपये बढ़कर 20,51,590.51 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल की बाजार हैसियत 51,860.65 करोड़ रुपये बढ़कर 11,56,329.94 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 37,342.73 करोड़ रुपये बढ़कर 15,44,624.52 करोड़ रुपये, बजाज फाइनेंस का बाजार पूंजीकरण 26,037.88 करोड़ रुपये बढ़कर 5,88,213.55 करोड़ रुपये, आईसीआईसीआई बैंक की बाजार हैसियत 24,649.73 करोड़ रुपये बढ़कर 10,43,037.49 करोड़ रुपये, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 13,250.87 करोड़ रुपये बढ़कर 6,05,523.65 करोड़ रुपये पर और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) का 8,389.15 करोड़ रुपये बढ़कर 7,18,788.90 करोड़ रुपये, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) ने सप्ताह के दौरान 3,183.91 करोड़ रुपये जोड़े और इसका बाजार

पूंजीकरण बढ़कर 12,45,761.80 करोड़ रुपये, हिंदुस्तान यूनिलीवर का मूल्यांकन 293.7 करोड़ रुपये बढ़कर 5,41,850.99 करोड़ रुपये हो गया। इस रुख के विपरीत इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 5,494.8 करोड़ रुपये घटकर 6,68,256.29 करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इन्फोसिस, एलआईसी, बजाज फाइनेंस और हिंदुस्तान यूनिलीवर लिमिटेड का स्थान रहा।

वृहद आर्थिक आंकड़े व वैश्विक रुझान तय करेंगे स्थानीय शेयर बाजार की चाल

मुंबई। इस सप्ताह औद्योगिक उत्पादन (आईआईपी) जैसे वृहद आर्थिक आंकड़ों, अमेरिकी शुल्क से जुड़े घटनाक्रमों तथा अन्य वैश्विक रुझानों से तय होगी घरेलू शेयर बाजारों की चाल। बाजार के जानकारों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि सप्ताह के दौरान विदेशी निवेशकों की कारोबारी गतिविधियों और कच्चे तेल की कीमतों पर भी सभी की नजर रहेगी। एक ब्रोकिंग रिसर्च के अनुसार इस सप्ताह भारत और अमेरिका से कई महत्वपूर्ण आर्थिक आंकड़े जारी किए जाएंगे, जो बाजार की धारणा और केंद्रीय बैंक के परिदृश्य को प्रभावित करेंगे। भारत में सप्ताह की शुरुआत 30 जून को मई के लिए औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों से होगी। इसके अलावा एक जुलाई को विनिर्माण पीएमआई के आंकड़े आएंगे, जिससे भारत के औद्योगिक क्षेत्र और ऑर्डर प्रवाह की स्थिति की जानकारी मिलेगी। इसके बाद तीन जुलाई को सेवा पीएमआई के आंकड़े जारी किए जाएंगे। बाजार के एक अन्य जानकार ने कहा कि जैसे-जैसे पहली तिमाही के नतीजों का सत्र नजदीक आ रहा है, निवेशक वृद्धि के रुझानों के शुरुआती संकेतकों के रूप में कंपनियों के प्रदर्शन पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। इसके अलावा आने

वाले सप्ताह में अमेरिका द्वारा प्रमुख वैश्विक भागीदारों के साथ अंतिम रूप दिए जाने वाले व्यापार समझौतों को लेकर भी उत्सुकता बढ़ गई है। उन्होंने कहा कि इसके साथ बाजार भागीदार घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अर्थव्यवस्था में सुधार का आकलन करने के लिए अमेरिका के गैर-कृषि पेरोल और बेरोजगारी के आंकड़ों के साथ-साथ भारत के औद्योगिक उत्पादन के आंकड़ों पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। इससे संस्थागत प्रवाह में सुधार, अमेरिका-भारत व्यापार समझौते की संभावनाओं से समर्थन मिलेगा। घरेलू स्तर पर आईआईपी और पीएमआई के आंकड़ों पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

देश का स्वर्ण भंडार बढ़कर 870 टन पहुंचा

- केंद्रीय बैंक 12.5 किलो की सोने की ईंट के रूप में रखता है स्वर्ण भंडार

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) सोने के महत्व को समझता है। इसीलिए वह 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और वर्तमान में यह लगभग 870 टन पहुंच गया है। केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन की सोने की ईंट के रूप में विभिन्न जगहों पर यह स्वर्ण भंडार रखता है। आरबीआई पर बने एक वृत्त चित्र में यह जानकारी दी गयी है। आरबीआई ने अपने कामकाज और भूमिकाओं को लोगों के सामने लाने के लिए हाल में जारी वृत्तचित्र के जरिये यह भी बताया है कि हमारा देश दुनिया में करेंसी नोट के सबसे बड़े उत्पादकों में से एक है। जहां अमेरिका में यह लगभग 5,000 करोड़ इकाई, यूरोप में 2,900 करोड़ इकाई है वहीं भारत में यह

13,000 करोड़ इकाई है। यह पहली बार है जब आरबीआई के कार्यों को वृत्तचित्र के रूप में लाया गया है। वृत्त चित्र में दी गयी जानकारी के अनुसार केंद्रीय बैंक 1991 के आर्थिक संकट के बाद सोने का भंडार कई गुणा बढ़ा चुका है और देश में स्वर्ण भंडार के संरक्षक के रूप में लगभग 870 टन सोना काफी सुरक्षित स्थानों पर रखा है। बहुत कम लोगों को ही सोने की तिजोरियों तक पहुंच है। इस सोने को केंद्रीय बैंक 12.5 किलो वजन के स्वर्ण ईंट के रूप में रखा गया है। केंद्रीय बैंक के अधिकारी कहते हैं कि सोना केवल धातु नहीं बल्कि देश की ताकत है। देश बनते रहेंगे, बिगड़ते रहेंगे। अर्थव्यवस्था में उतार-चढ़ाव होता रहेगा लेकिन सोना हमेशा अपना मूल्य बनाये रहेगा।

भारत ने बांग्लादेश से जूट और फाइबर उत्पादों के आयात पर लगाई रोक

नई दिल्ली। भारत ने बांग्लादेश से जूट और संबंधित फाइबर उत्पादों के आयात पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दिया है। बताया जा रहा है यह फैसला दोनों पड़ोसियों के बीच संबंधों में बढ़ते तनाव को देखते हुए लिया गया है। सूत्रों ने बताया कि नए प्रतिबंध महाराष्ट्र में न्हावा शेवा बंदरगाह को छोड़कर अन्य सभी जमीनी मार्ग और बंदरगाहों के माध्यम से बांग्लादेश के जूट और संबद्ध फाइबर उत्पादों के भारत में आयात पर लागू होंगे। वाणिज्य मंत्रालय के तहत काम करने वाले विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने एक अधिसूचना जारी कर प्रतिबंध लगा दिए। साफ्टा (दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र) के प्रावधानों के तहत, बांग्लादेश से जूट को भारत में शुल्क मुक्त पहुंच प्राप्त है। हालांकि उन्होंने कहा कि भारतीय जूट उद्योग को बांग्लादेश से जूट उत्पादों, विशेष रूप से धागा, फाइबर और बैग के डंप किए गए और सब्सिडी वाले आयात के प्रतिकूल प्रभाव के कारण लंबे समय से नुकसान उठाना पड़ रहा है।

‘मां’ की कमाई रही फीकी, ‘सितारे जमीन पर’ ने पार किया 100 करोड़ का आंकड़ा

काजोल की हॉरर-मायथोलॉजिकल फिल्म ‘मां’ इस वक्त सिनेमाघरों में चल रही है, लेकिन ना तो दर्शकों से इसे खास प्रतिक्रिया मिली है और ना ही समीक्षकों से कोई बड़ी सराहना। बॉक्स ऑफिस पर भी फिल्म उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पा रही है। यह फिल्म काजोल की करीब तीन साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी है। अब फिल्म के दूसरे दिन की कमाई के आंकड़े सामने आ चुके हैं। वहीं दूसरी ओर, आमिर खान की फिल्म ‘सितारे जमीन पर’ ने रिलीज के 9वें दिन बॉक्स ऑफिस पर जोरदार कमाई करते हुए सबको चौंका दिया है।

काजोल की फिल्म ‘मां’ ने शुक्रवार को 4.65 करोड़ रुपये की ओपनिंग के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपनी शुरुआत की थी। वहीं शनिवार को रिलीज के दूसरे दिन फिल्म की कमाई में बढ़त देखने को मिली। वीकेंड का फायदा उठाते हुए ‘मां’ ने शनिवार को 6.18 करोड़ रुपये का कारोबार किया। इस तरह दो दिनों में फिल्म की कुल कमाई 10.83 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। हालांकि, अंतिम आंकड़ों में थोड़ा बदलाव संभव है। अब सभी की निगाहें रविवार की कमाई पर टिकी हैं, जिससे उम्मीद की जा रही है कि ग्राफ और ऊपर जाएगा। दूसरी ओर, आमिर खान की फिल्म ‘सितारे जमीन पर’ रिलीज के पहले दिन से ही दर्शकों के दिलों पर राज कर रही है। इसने अपने 9वें दिन 13.63 करोड़ रुपये की दमदार कमाई करते हुए भारत में 100 करोड़ क्लब में प्रवेश कर लिया है। अब तक फिल्म का कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 109.55 करोड़ रुपये हो चुका है। यह आमिर खान के करियर की सातवीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई है। खास बात यह है कि इस फिल्म में आमिर पहली बार जेनेलिया डिसूजा के साथ स्क्रीन शेयर करते नजर आए हैं। दूसरी ओर, काजोल की फिल्म ‘मां’ के साथ रिलीज हुई विष्णु मांचू की फिल्म ‘कन्नप्पा’ में अक्षय कुमार, मोहनलाल और प्रभास जैसे बड़े सितारों की मौजूदगी ने दर्शकों का ध्यान खींचा। फिल्म ने पहले दिन 9.35 करोड़ रुपये की कमाई कर शानदार शुरुआत की थी। हालांकि, दूसरे दिन फिल्म की रफ्तार धीमी पड़ गई और शनिवार को इसका कलेक्शन घटकर सिर्फ 7 करोड़ रुपये रह गया। ऐसे में ‘कन्नप्पा’ ने दो दिनों में कुल मिलाकर 16.35 करोड़ रुपये का कारोबार किया है।

चौंकाने वाला नया लुक साझा किया रणदीप हुड्डा ने

हाल ही में सोशल मीडिया पर अभिनेता रणदीप हुड्डा ने अपना एक चौंकाने वाला नया लुक साझा किया। सोशल मीडिया पर साझा की गई तस्वीर में रणदीप आधे गंजे नजर आ रहे हैं। एक्टर सिर के दोनों तरफ हल्के बाल मौजूद हैं, लेकिन बीच का हिस्सा पूरी तरह से खाली है। अभिनेता का यह बिल्कुल अलग अंदाज फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है। रणदीप ने इस तस्वीर के साथ कैप्शन में लिखा, ‘‘इस मंगलवार के लिए कौन-सी चाय? सिर्फ कॉफी ही नहीं है, जो बन रही है!’’ इस कैप्शन ने यह संकेत भी दे दिया कि यह लुक किसी खास किरदार के लिए तैयार किया गया है। सूत्रों के अनुसार, यह लुक उनके आगामी प्रोजेक्ट के ट्रायल से जुड़ा है, जिसकी शूटिंग रणदीप जल्द ही शुरू करने जा रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणदीप हुड्डा हाल ही में सनी देओल की एक्शन से भरपूर फिल्म ‘जाट’ में खलनायक की भूमिका निभाते नजर आए थे। इस फिल्म का निर्देशन गोपीचंद मालिनेनी ने किया था। फिल्म में रणदीप के अलावा सैयामी खेर, रेजिना कैसांद्रा, जगपति बाबू, राम्या कृष्णन, विनीत कुमार सिंह, जरीना वहाब और अन्य कलाकार शामिल थे। रणदीप अब हॉलीवुड में भी अपने कदम और मजबूत करने जा रहे हैं। वह जल्द ही सैम हार्ग्रेव निर्देशित फिल्म मैचबॉक्स में नजर आएंगे, जिसमें उनके साथ जॉन सीना, जेसिका बील और दानई गुरिरा जैसे बड़े नाम शामिल हैं। यह फिल्म 2026 में रिलीज की जाएगी। इसके अलावा रणदीप हुड्डा युद्ध पर आधारित फिल्म ऑपरेशन खुकरी में भी मुख्य भूमिका में होंगे। यह फिल्म साल 2000 में पश्चिमी अफ्रीका में भारतीय सेना द्वारा चलाए गए एक साहसिक सैन्य अभियान पर आधारित है। इस मिशन में रणदीप मेजर जनरल राज पाल पुनिया की भूमिका निभाएंगे, जिन्होंने उस समय 14वीं मैकेनाइज्ड इन्फैंट्री के कमांडर के तौर पर ऑपरेशन की अगुवाई की थी।

ये मेरी आवाज नहीं, ऑनलाइन सेफ रहें : प्रियंका चोपड़ा

मुंबई। हाल ही में ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा के सामने एक मामला सामने आया, जब सोशल मीडिया पर उनके नाम से एक बयान वायरल हो रहा था, जिसमें कथित तौर पर लिखा था कि “वर्जिन वाइफ की खोज मत करो, ऐसी लड़की को चुनो जिसमें अच्छे मैनर्स हों। वर्जिनिटी एक रात में चली जाती है, लेकिन मैनर्स हमेशा रहते हैं।” इस फर्जी पोस्ट पर प्रियंका चोपड़ा ने तुरंत प्रतिक्रिया दी और इसे पूरी तरह गलत बताते हुए सोशल मीडिया पर स्टेटमेंट जारी किया। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, “ये मैंने नहीं कहा है, ना ही ये मेरी आवाज है। सिर्फ इसलिए कि ये ऑनलाइन है, इसका ये मतलब नहीं कि ये सच है।” उन्होंने आगे कहा कि आज के डिजिटल दौर में फेक कंटेंट बनाना बहुत आसान हो गया है, इसलिए जरूरी है कि लोग ऐसी चीजों को आंख बंद करके सच न मानें। प्रियंका ने अपने फॉलोअर्स और फैन्स को आगाह किया कि किसी भी ऑनलाइन जानकारी पर भरोसा करने से पहले उसकी सत्यता को जरूर जांचें और हमेशा इंटरनेट पर सुरक्षित रहने की कोशिश करें। प्रियंका का यह रिएक्शन न केवल उनकी जागरूकता को दर्शाता है, बल्कि यह भी बताता है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर गलत जानकारी किस हद तक फैल सकती है और कैसे सेलेब्रिटीज को इससे जूझना पड़ता है। अगर प्रियंका के वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही हॉलीवुड की एक्शन-कॉमेडी फिल्म ‘हेड्स ऑफ स्टेट’ में नजर आएंगी। इसके अलावा वह एस.एस. राजामौली की अगली मेगा-प्रोजेक्ट में भी मुख्य भूमिका निभाएंगी, जिसमें उनके साथ सुपरस्टार महेश बाबू दिखाई देंगे। इन दिनों प्रियंका फिल्म के प्रमोशन में व्यस्त हैं और दुनियाभर में अपने काम और बेबाक अंदाज़ के लिए सराही जा रही हैं। बता दें कि ग्लोबल स्टार प्रियंका चोपड़ा उन चुनिंदा सेलेब्रिटीज में से हैं, जो खुद से जुड़ी झूठी या भ्रामक जानकारी को नजरअंदाज नहीं करतीं, बल्कि उनका जवाब भी देती है।

उमराव जान की स्पेशल स्क्रीनिंग में आशा भोसले ने गाया गाना, लुटाया प्यार

मुंबई। बॉलीवुड की सदाबहार अदाकारा रेखा की आइकॉनिक फिल्म उमराव जान की स्पेशल स्क्रीनिंग गुरुवार को मुंबई में आयोजित की गई। 1981 में रिलीज़ हुई इस क्लासिक फिल्म के दोबारा रिलीज से पहले मेकर्स ने खास शो रखा, जिसमें बॉलीवुड के कई दिग्गज सितारे शामिल हुए। इस मौके पर रेखा ने एक बार फिर अपने उमराव जान वाले लुक को जीवंत कर दिया और हर किसी का दिल जीत लिया। रेखा ने स्क्रीनिंग के लिए सफेद और गोल्डन रंग का खूबसूरत लहंगा पहना था, जिसके साथ उन्होंने भारी ज्वेलरी और क्लासिक मेकअप किया। उनका यह अंदाज सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है। रेखा ने इस मौके पर फिल्म के अपने मशहूर डांस स्टेप्स भी किए और अपनी शानदार अदाकारी की याद दिला दी। उनकी मौजूदगी ने इवेंट में चार चांद लगा दिए। इस स्पेशल इवेंट का सबसे खूबसूरत पल तब सामने आया जब भारतीय संगीत की महान गायिका आशा भोसले भी स्क्रीनिंग में पहुंचीं। मंच पर आशा भोसले ने फिल्म उमराव जान का अमर गीत दिल चीज़ क्या है अपनी जादुई आवाज़ में गाया। उनकी आवाज सुनकर पूरा माहौल मंत्रमुग्ध हो गया। जैसे ही गाना खत्म हुआ, रेखा भावुक होकर मंच पर आशा भोसले से लिपट गईं और उन्हें बार-बार गाल पर चूमती रहीं। दोनों के बीच यह स्नेह और सम्मान से भरा दृश्य वहां मौजूद सभी लोगों के दिल को छू गया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है और फैंस भी इस भावुक लम्हे पर खूब प्यार लुटा रहे हैं। गौरतलब है कि आशा भोसले ने उमराव जान के गीतों के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता था और उनके गाए गाने आज भी संगीत प्रेमियों के दिलों में बसे हैं। इस स्क्रीनिंग में अनिल कपूर, तब्बू, जॉनी लीवर और एआर रहमान जैसे सितारों ने भी शिरकत की। सभी ने रेखा के क्लासिक लुक की तारीफ की और फिल्म के अमर संगीत और कला के प्रति अपनी मोहब्बत जाहिर की। उमराव जान की इस स्क्रीनिंग ने एक बार फिर साबित कर दिया कि सिनेमा की कुछ कृतियां समय के पार जाकर भी दर्शकों के दिलों में जिंदा रहती हैं।

मेरा फोकस सिर्फ अपने काम पर है : सोनाक्षी सिन्हा

मुंबई। जहीर इकबाल के साथ शादी को लेकर एक्ट्रेस सोनाक्षी सिन्हा ने पहली बार अफवाहों पर चुप्पी तोड़ी है और साफ किया है कि वह इन बातों को ज़्यादा तवज्जो नहीं देतीं। एक इंटरव्यू में सोनाक्षी ने कहा, “सच बताऊं तो मैं इस पर ज़्यादा ध्यान नहीं देती। मैं इस बारे में ज़्यादा नहीं सोचती हूं। मेरा फोकस सिर्फ अपने काम पर है।” सोनाक्षी ने यह भी स्पष्ट किया कि काम को लेकर उनका अपने परिवार के साथ कोई मनमुटाव नहीं है और उन्होंने हाल ही में अपने भाई कुश सिन्हा के साथ काम करने का अनुभव भी साझा किया। कुश सिन्हा की फिल्म निकिता रॉय में काम करने को लेकर सोनाक्षी ने बताया, “मैंने पहले भी कई नए डायरेक्टर्स के साथ काम किया है और हमेशा कोशिश की है कि उन्हें सपोर्ट करूं। नए डायरेक्टर्स फ्रेश एनर्जी लेकर आते हैं और कुश को अच्छी तरह पता था कि उन्हें फिल्म में क्या हासिल करना है। इससे हम सभी का काम आसान हो गया।” उन्होंने यह भी कहा कि शूटिंग के दौरान उनके और कुश के बीच कोई कोल्ड वॉर नहीं थी। “मुझे लगा था कि शायद हमारे बीच कुछ छोटी-मोटी बहस होगी, लेकिन ऐसा कुछ नहीं हुआ। सेट पर माहौल बहुत प्रोफेशनल था और जब आप वर्क मोड में होते हैं तो इन छोटी बातों पर ध्यान नहीं जाता,” सोनाक्षी ने स्पष्ट किया। बता दें कि सोनाक्षी की अपकमिंग फिल्म निकिता रॉय को उनके भाई कुश सिन्हा ने डायरेक्ट किया है। इस फिल्म में सोनाक्षी के साथ परेश रावल, अर्जुन रामपाल और सुहैल नय्यर जैसे कलाकार अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। यह फिल्म एक थ्रिलर ड्रामा मानी जा रही है और इसके जरिए सोनाक्षी एक बार फिर एक गंभीर किरदार में दिखाई देंगी। बता दें कि सोनाक्षी-जहीर की शादी को एक साल पूरा हो गया है, लेकिन इस खास मौके पर एक बार फिर उनके परिवार को लेकर उठे सवालों ने सुर्खियां बटोरी हैं। शादी के वक्त ऐसी खबरें आई थीं कि सोनाक्षी के दोनों भाई लव और कुश इस शादी से खुश नहीं थे और उन्होंने शादी में शिरकत नहीं की थी।

फैंस का दिल जीत लिया सारा और इब्राहिम ने

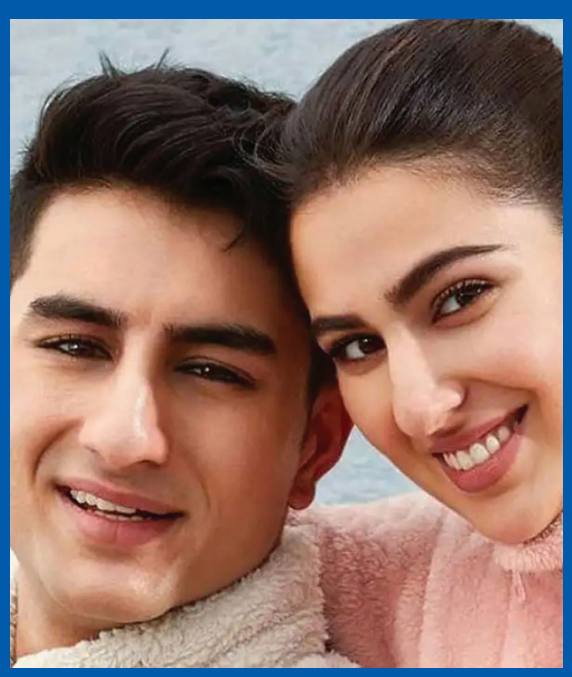

मुंबई (ईएमएस)। इंस्टाग्राम पर अपनी पोस्ट और कमेंट के जरिए एक बार फिर स्टार किड्स सारा अली खान और इब्राहिम अली खान ने फैंस का दिल जीत लिया। सारा ने अपनी कुछ तस्वीरें साझा करते हुए एक शायरीनुमा कैप्शन लिखा, जिसमें उन्होंने अपने लुक, मूड और एल्बम लॉन्च के लिए तैयारियों को मज़ेदार अंदाज़ में बयां किया। सारा ने अपनी पोस्ट में लिखा, लाल मेरे दिल का हाल है, आधी टाई आधे खुले मेरे बाल हैं, हाई हील्स में व्यस्त चल रही है, लेकिन एल्बम लॉन्च के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि वाह क्या सुर और ताल है, हमारे गाने सुनें और कोरस में कहें – कमाल है, कमाल है, कमाल है। सारा की इस क्रिएटिविटी पर उनके फैंस तो फिदा हुए ही, लेकिन सबसे दिलचस्प प्रतिक्रिया उनके छोटे भाई इब्राहिम अली खान की रही, जो फिलहाल लंदन में हैं। इब्राहिम ने बहन की इस पोस्ट पर कमेंट करते हुए लिखा, तुम्हारी याद आती है बहन, तुम्हारे बिना लंदन कड़वा है, मैं कोशिश करूंगा कि जल्दी वापस आऊं और फिर से हम अपनी लड़ाई शुरू करेंगे। शायरी लिखना शायद मेरे खून में है, और क्या बोलूं – मेरी बहन सब से कूल है। उनके इस जवाब ने यह साबित कर दिया कि दोनों की आपसी ट्यूनिंग सिर्फ तस्वीरों या वीडियो तक सीमित नहीं, बल्कि भावनाओं और रचनात्मकता में भी गहरी है। सारा और इब्राहिम अक्सर सोशल मीडिया पर एक-दूसरे के साथ बिताए पलों की झलक साझा करते रहते हैं। हाल ही में अप्रैल में दोनों ने स्विट्जरलैंड में साथ छुट्टियां मनाई थीं, जिसकी तस्वीरें फैंस के बीच काफी वायरल हुई थीं। वहीं मार्च में सारा ने इब्राहिम के जन्मदिन पर एक खास वीडियो पोस्ट कर उनके बॉलीवुड डेब्यू की सराहना की थी। उन्होंने लिखा था कि इब्राहिम हमेशा से उनके लिए एक स्टार रहे हैं और अब पूरी दुनिया उन्हें चमकते देखेगी। यह भाई-बहन की जोड़ी सिर्फ ग्लैमर तक सीमित नहीं, बल्कि उनकी आपसी समझ, स्नेह और रचनात्मकता भी उन्हें बाकी से अलग बनाती है।

India looks very grand from space, said Shubhanshu Shukla while talking to PM Modi from ISS

New Delhi, Prime Minister Narendra Modi spoke to Indian Air Force Group Captain Shubhanshu Shukla who went into space on Saturday. During this conversation, PM Modi enquired about his well-being and said that his journey is an auspicious beginning of a new era. At the same time, the first Indian to go to the International Space Center (ISS) called this achievement a proud moment for the country. At the end of the conversation, he said Bharat Mata Ki Jai from space. PM Modi told Shubhanshu Shukla, you are far from India, but you are closest to the hearts of Indians. There is Shubh in your name and your journey is also the auspicious beginning of a new era. When we both are talking, but the feelings of 140 crore Indians are also with me, my voice includes

the enthusiasm and excitement of all Indians. He said, I heartily congratulate you and wish you all the best for hoisting the flag of India in space. PM Modi asked Shubhanshu if everything is fine there? On this, Shubhanshu thanked PM Modi and said that everything is fine there. He said, it feels great to get everyone's blessings and love. My journey of 400 km from Earth to orbit is very important. Today I feel proud that I am able to represent my country. In his conversation, the Prime Minister said that every Indian is seeing how 'down to earth' Shubhanshu Shukla is. The PM asked whether he fed carrot halwa to his fellow astronauts or not? He asked Shubhanshu what was his first thought after seeing the vastness of space? In response to this, the Indian astronaut said that no border is visible from space, we see India on the map, India really looks very grand. Shubhanshu told that he has tied his legs because there is zero gravity there. Talking about the challenges, he said that sleeping in space is a big challenge. PM Modi said that after the success of Chandrayaan, the passion to explore space has increased among children across the country and Shubhanshu's journey gives passion to the children. On the Prime Minister's request, Shubhanshu in his message to the country's young generation said, we have seen big dreams, to fulfill them I would say that there is no one way to success. Therefore, never stop trying, you will definitely get success. Talking about the country's dream in the field of space, PM Modi told Shubhanshu that we have to build our own station and land astronauts on the moon, for this your experience will be very useful. In response, Shubhanshu said that he is studying everything closely. The Prime Minister said that his visit will give new impetus to the journey of developed India. On this, Shubhanshu said that this visit was wonderful. After reaching here, he feels that this is a big achievement for the country. He said, I would tell the children of the country to make their future better because this will also brighten the future of the country. Always keep one thing in mind that 'sky is never the limit'. Shubhanshu said, the tricolour you see behind me was not there earlier. I put it here only yesterday (Friday). It makes me very emotional. PM Modi finally asked Shubhanshu Shukla to take care of himself and increase the respect of Mother India. He wished him on behalf of 140 crore countrymen. On this, Shubhanshu said, Bharat Mata Ki Jai from space.

Sri Lankan Navy arrested eight Indian fishermen from Rameswaram

Chennai, Eight fishermen from Tamil Nadu were arrested by the Sri Lankan Navy in the wee hours of Sunday. These fishermen are accused of crossing the International Maritime Boundary Line (IMBL) and entering Sri Lankan waters. These fishermen had left from Rameswaram on Saturday night. The fishermen have been detained along with their boat. Along with the fishermen, the boat has also been seized by Sri Lankan Navy officials. According to officials of the Fisheries Department, the fishermen were working near Delft Island. Meanwhile, they were stopped by a Sri Lankan Navy patrol team. Sri Lankan authorities have accused the fishermen of fishing illegally in their waters. They have cited repeated violations despite diplomatic intervention. In recent years, several fishermen from coastal districts such as Ramanathapuram and Pudukottai have faced arrest and detention in Sri Lanka. This has strained relations between fishermen and authorities on both sides of the 'Palak Strait'. Tamil Nadu fishermen have long accused Sri Lankan naval forces of harassment. They claim that they are forced to frequently cross the border due to dwindling fish stocks and the narrow stretch of sea separating the two countries. He also argues that traditional fishing

grounds used by Tamil fishermen for generations now fall under Sri Lanka's jurisdiction following maritime boundary agreements signed decades ago. The Tamil Nadu government has repeatedly raised the issue with the central government, urging to ensure the release of the fishermen and their boats and find a lasting diplomatic solution. In response, Indian officials have consistently raised the matter with their Sri Lankan counterparts through official channels. Meanwhile, the fishermen association in Rameswaram has appealed to the Indian government for immediate intervention, demanding the safe release of the arrested fishermen and their boat. They have also warned of protests if immediate action is not taken against the repeated arrests. At present, the arrested fishermen are expected to be produced before a magistrate in Sri Lanka, following which they may be sent to judicial custody pending further investigation.

Former CM Naveen Patnaik expressed grief over the stampede during the Jagannath Rath Yatra in Puri

Bhubaneswar, Former Odisha Chief Minister Naveen Patnaik on Sunday expressed his condolences to the people killed in the tragic stampede near the Gundicha Temple during the Jagannath Rath Yatra in Puri. He also prayed for the speedy recovery of the injured. The former CM posted on the social media platform X. In the post, he wrote, I offer my heartfelt condolences to the families of the three devotees who lost their lives in the tragic stampede at Saradhabali in Puri and pray for the speedy recovery of the devotees injured in this horrific accident. The former CM said the stampede during the Rath

Yatra reflects a gross failure of management. It highlights the government's utter inability to ensure peaceful celebrations for the devotees. According to eyewitness reports, there was no government machinery in place to manage the surging crowd, which highlights a major lapse. He further said, "Though I refrain from accusing the government of criminal negligence, their gross negligence has undoubtedly contributed to this tragedy. I urge the government to implement immediate corrective measures to ensure the smooth conduct of Adapa Bije, Bahuda, Suna Besha and other major Rath Yatra rituals." Senior Daitapati Sevak (Sewayat) of Puri Jagannath Temple, Ramkrishna Das Mahapatra said that I have heard that some people have died, this is sad news. This has happened for the first time. I appeal to the administration to make good arrangements so that people do not face any inconvenience. Advocate Sharat Kumar Rai said that this is a very sensitive and sad incident. Disciplinary action should be taken against those responsible for today's unfortunate incident. Pandit Padmanabh Tripathi said that this is definitely a sad incident. A large number of devotees had arrived to have darshan of Lord Jagannath Mahaprabhu. I think excessive crowd is the reason behind this incident.

Cloudburst causes devastation in Uttarkashi, eight people missing; Chardham Yatra stopped for 24 hours

Uttarkashi, Eight people are reported missing after a cloudburst on the Barkot-Yamunotri road in Uttarakhand's Uttarkashi district, officials confirmed. The District Disaster Management Center said that rescue teams of the State Disaster Response Force (SDRF) and National Disaster Response Force (NDRF) and local police have been deployed at the spot to carry out relief and rescue operations. The victims were reportedly labourers who were working at a hotel construction site. The hotel suffered heavy damage during the cloudburst. The incident occurred due to heavy rains in the area. At the same time, the Char Dham Yatra has been stopped for the next 24 hours in view of the heavy rain alert in Uttarakhand. Garhwal Divisional Commissioner Vinay Shankar Pandey said that instructions have been given to the police and administration to stop the pilgrims in Haridwar, Rishikesh, Srinagar, Rudraprayag, Sonprayag and Vikasnagar so that no accident occurs.

The India Meteorological Department (IMD) has issued a red alert for the hill state for both Sunday and Monday. It has warned of heavy to very heavy rainfall accompanied by thunderstorms and lightning at several isolated places. Apart from the cloudburst, incessant rains have caused extensive damage across the state. The national highway has been blocked near Nandprayag and Bhaneropani, while Rudraprayag district authorities had to suspend movement on the Sonprayag-Munkatiya road due to landslides and debris falling earlier this week. This particular route is important for pilgrims going to Kedarnath. It has been completely closed near the Sonprayag shuttle bridge and Munkatiya sliding zone, forcing pilgrims to temporarily halt at Sonprayag and Gaurikund to ensure their safety. The Yamunotri National Highway has also been blocked at two to three places near Silai Band. NH Barkot officials have been alerted about the blockage. Moreover, the flow of Yamuna river has been obstructed due to debris accumulation in a drain near Syanachatti, which has further increased the danger for hotels located in the low-lying areas of the region. Heavy rains are occurring in many districts of the state, including Chamoli, Pauri, Dehradun and Rudraprayag. Many connecting roads have been closed due to landslides here. Due to rising water level in the rivers, the administration has issued an advisory and urged people living on the river banks to be alert and take necessary precautions.

The grandeur of yoga is increasing in the world. People were harassed during the emergency, PM Modi said in Mann Ki Baat

New Delhi, PM Narendra Modi addressed the nation today in the 122nd episode of 'Mann Ki Baat'. At the beginning of the episode, he talked about Yoga Day. He said - On June 21, crores of people from the country and the world participated in International Yoga Day. The grandeur of yoga is increasing, people are adopting it in their daily lives. PM said, during the period of emergency, people were tortured. Many people were given harsh tortures. Under MISA, anyone could be arrested just like that, and inhumane atrocities were committed on them. In the end, the public won and emergency was lifted. The public won and those who imposed emergency lost. PM said, we saw many attractive pictures of Yoga Day this time. 3 lakh people did yoga together in Visakhapatnam. Yoga Day was also seen on our naval ships. People of Delhi connected with the resolution of cleanliness. In Jammu, people did yoga on the world's highest bridge. PM told that 2100 people made a record by doing Bhujangasana together in Vadnagar. This time the theme was also quite different. The grandeur of

this year's Yoga Day will inspire people to adopt yoga. In his address, the Prime Minister said, I want to tell you about two such achievements that will fill you with pride. The first achievement is related to health. The World Health Organization has declared India trachoma free. This success is of our health workers. Today, when tap water is reaching every home, the risk of such diseases has reduced. PM said, the report of the International Level Organization has just come. It has come out that 95 crore people of the country are taking advantage of some or the other government scheme. These successes have given a confidence that India will become more empowered in the coming times. Friends, the country is moving ahead with public participation. Referring to the Kailash Mansarovar Yatra, the PM said, religious pilgrimages are a great ritual of service. More people join in serving the pilgrimage than the number of people who go on it. The Kailash Mansarovar Yatra has begun after a long time. Kailash has been considered a centre of faith in Hindu, Buddhist and Jain traditions. When someone sets out on a pilgrimage, the first feeling that comes to mind is, come, the call has come. This feeling is the soul of our religious pilgrimages. These pilgrimages are a medium of disciplining the body, purifying the mind, mutual love and brotherhood, and connecting with God.

Pakistan is trying to divert attention, India got angry after its name was dragged in Waziristan attack, Foreign Ministry rejected the allegations

New Delhi, India on Saturday completely rejected the allegations leveled by Pakistan in which it blamed India for the suicide attack in Waziristan on June 28. In this attack, 13 soldiers of the Pakistan Army were killed. India's Ministry of External Affairs (MEA) issued a statement on this and said, we have seen the official statement of Pakistan Army in which India has been accused of Waziristan attack. We completely reject this allegation and strongly condemn it. This allegation is only an attempt to divert attention.

On June 28, a suicide bomber rammed a vehicle loaded with explosives into an army convoy in the North Waziristan district of Pakistan's Khyber Pakhtunkhwa province. In this attack, 13 soldiers were killed, 10 were injured, while 19 civilians present nearby were also injured. According to news agency SNACK, the Hafiz Gul Bahadur group has claimed responsibility for this suicide attack. This group is believed to be a faction associated with Tehreek-e-Taliban Pakistan (TTP). Pakistan has long accused the Afghan Taliban of sheltering these terrorist groups. However, the Afghan government has been rejecting these allegations. Terrorist activities have increased in the tribal areas of Pakistan since the Taliban came to power in Afghanistan in 2021. According to the report of SNACK, so far in the year 2025, more than 290 people have lost their lives in Khyber Pakhtunkhwa and Balochistan, mostly security forces personnel.

Saddened by the news of landslide in Silai Band area, I am in constant touch with the officials: CM Dhami

Dehradun, A cloud burst in the Barkot tehsil of Uttarkashi on Sunday morning. Many workers have gone missing due to this devastation. After getting information about the incident, SDRF and police teams are engaged in rescue and relief work. Uttarakhand Chief Minister Pushkar Singh Dhami expressed grief over the accident and wished well to all the people. CM Dhami wrote on social media platform X, information has been received about some workers

missing in the tragic incident of landslide in Silai Band area of Barkot tehsil of Uttarkashi district. SDRF, NDRF and other teams have reached the spot and are engaged in intensive relief and rescue work. I am constantly in touch with the concerned officials in this matter. I pray to God for everyone's safety. Uttarakhand Police informed about this accident through social media and they have requested the travelers to stop at safe places. Uttarakhand Police wrote on social media platform X, heavy rains in Silai Band on Yamunotri Highway have caused a massive landslide in the labour camp. 9 labourers are missing and 10 have been rescued and evacuated safely. Apart from this, 10-12 metres of the highway has been washed away. SDRF, NDRF and police are engaged in relief and rescue operations. Travellers are requested to stop at safe places. According to Uttarkashi Police, 9 workers are reported missing due to heavy rainfall (landslide) near Silai Band, about 4-5 km ahead of Paligad on Yamunotri National Highway. Relief and search work is being done by teams of Police, SDRF, NDRF, Revenue, NH Badkot, Health Department etc. Not only this, the labor camp has come under the grip of landslide and 19 workers were living in the camp, out of which 10 workers are safe and have been rescued and brought to a safe place.

Puri stampede: CM Mohan Charan Majhi apologized to the devotees, said- negligence is unforgivable

Bhubaneswar, Chief Minister Mohan Charan Majhi expressed grief over the stampede during the Rath Yatra of Lord Jagannath in Puri, Odisha. He apologized for the stampede and said that I sincerely apologize to all the Jagannath devotees for the unfortunate incident caused by the stampede. Odisha CM Mohan Charan Majhi wrote on social media platform X, I and my government sincerely apologize to all the Jagannath devotees for the unfortunate incident caused by the stampede and rush of devotees excited to have darshan of Mahaprabhu at Saradhabali. I express my deepest condolences to the families of the devotees who lost their lives at Saradhabali. I pray to Mahaprabhu Jagannath to give them strength to bear this unbearable

loss. This negligence is unforgivable. Mohan Charan Majhi has also ordered an inquiry into the stampede. The CM wrote on Twitter, I have ordered an immediate inquiry into the security lapse and strict action will be taken against those responsible. Let us tell you that about three people have died and many have been injured in the tragic stampede near Sri Gundicha Temple during the Rath Yatra in Puri. This accident happened around 4:30 in the morning. The three people who died in this accident include two women - Prabhati Das and Basanti Sahu. Apart from this, 70-year-old Premkant Mohanty also died in the stampede. All three were residents of Khurda district and had come to Puri for the Rath Yatra. Earlier, Biju Janata Dal chief Naveen Patnaik also expressed grief over the Puri stampede. He wrote on X, I express my deepest condolences to the families of the three devotees who lost their lives in the tragic stampede at Saradhabali, Puri and pray to Mahaprabhu Jagannath for the speedy recovery of the devotees injured in this disastrous incident.